डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका

रॉयल पत्रिका परिवार की ओर से सभी पाठकों को रमज़ान की दिली मुबारकबाद

सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 08 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 24 मार्च से 30 मार्च 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 5 रुपए

मुख्यमंत्री ने सुनी आमजन की परिवेदनाएं अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

- परिवेदनाओं के मौके पर ही निस्तारण से आमजन खुश

- बजट वर्ष 2025-26 की सौगातों के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति से आत्मीयता से मुलाकात की तथा उनकी समस्याओं को सुना। शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से संबंधित समस्याएं सुनी तथा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर परिवादी को राहत दी। जनसुनवाई के दौरान आमजन ने राज्य बजट वर्ष 2025-26 में दी गई सौगातों के लिए शर्मा का आभार जताया तथा दुपट्टा ओढ़ाकर उनका अभिनन्दन किया।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

बबीता कुमारी को चिकित्सा सहायता, गायत्री को कैंसर की दवा

जनसुनवाई में बालोतरा की बबीता कुमारी ने मुख्यमंत्री को दांतों से संबंधित बीमारी से अवगत करवाया तथा शीघ्र इलाज के लिए निवेदन किया। इस पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बबीता कुमारी को तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। पाली से आई कैंसर रोग से ग्रसित गायत्री ने कैंसर की दवा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया। इस पर शर्मा ने गायत्री को निःशुल्क कैंसर की दवा उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। बबीता और गायत्री अपनी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण से बेहद खुश नजर आई और मुख्यमंत्री को बार-बार धन्यवाद दिया।

हज कमेटी और अल्पसंख्यक आयोग में कब होगी चेयरमैन की नियुक्ति ?

• आगामी हज यात्रियों की सुविधाओं को मद्देनजर रखते हुए हज कमेटी चेयरमैन की नियुक्ति जरूरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश की भाजपा सरकार स्टेट हज कमेटी और अल्पसंख्यक आयोग में चेयरमैन की नियुक्ति कब करेगी? यह सवाल अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों के दिमाग में बार-बार आने लगा है, क्योंकि हज पर जाने के लिए हाजियों की कागज पूर्ति के लिए, हज का खर्चा जमा करवाने का काम हज कमेटी द्वारा वर्तमान में किया जा रहा है । हाजियों का टीकाकरण और ट्रैनिंग प्रोग्राम भी लगवाए जाने हैं। इसलिए माना जा रहा है कि सरकार यदि हज कमेटी के चेयरमैन की नियुक्ति करदे तो हाजियों के काम में तेज़ी आ सकती है । वैसे भी हज कमेटी चेयरमैन विधायक अमीन कागजी का 14 फरवरी, 2025 को कार्यकाल पूरा हो चुका है । इसी तरह अल्पसंख्यक आयोग का कार्यकाल भी हज कमेटी के साथ कार्यकाल पूरा हो गया । अल्पसंख्यक आयोग प्रदेश में अल्पसंख्यकों के हितों की पैरवी करता है ।

भाजपा का अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान में काफी मजबूत स्थिति में है । भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा में काफी कार्यकर्ता ऊर्जावान हैं । अगर उनमें से कुछ को आयोग, कमेटियों एवं अन्य संस्थाओं में अवसर मिलता है तो भाजपा के लिए फायदेमंद हो सकता है । वैसे यह भी माना जाता है कि भाजपा देश के अल्पसंख्यकों का ज्यादा ध्यान नहीं देते है, यही कारण है कि अल्पसंख्यक वर्ग के लोग भी भाजपा से दूरी रखते हैं ।

भाजपा और अल्पसंख्यकों के बीच दूरी कम करने के लिए पार्टी को अल्पसंख्यक वर्ग के अच्छे लोगों को अवसर देने होंगे ।

मेरठ में शहर क़ाज़ी के लिए भाजपा नेता जितेंद्र सिंह ने पेश की दावेदारी

● शहर क़ाज़ी की कुर्सी का नहीं थम रहा विवाद

मेरठ (रॉयल पत्रिका)। उत्तर प्रदेश के शहर मेरठ में शहर क़ाज़ी का जो तमाशा चल रहा है, उसे देखकर लगता है कि कुछ लोग अपनी-अपनी कुर्सी की लड़ाई में मज़हबी स्थानों को भी अखाड़ा बनाने पर तुले हैं। रमज़ान का पाक महीना चल रहा है, जो शांति, एकता, इबादत और आपसी भाईचारे का वक्त होना चाहिए, लेकिन यहां तो पगड़ियों की होड़ और शोर-शराबे ने सारी सुकून की हवा निकाल दी है। एक तरफ प्रोफेसर जैनुस साजिद्दीन सिद्दीकी के बेटे डॉ. जैनुल सालिकीन को अगला क़ाज़ी बनाने की तैयारी है, तो दूसरी तरफ कारी शफ़ीकुर्रहमान अपनी 42 साल की तालीम का दम भरते हुए मैदान में हैं। दोनों के समर्थक मस्जिदों में जाकर शोर मचा रहे हैं, मानो ये कोई धार्मिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सत्ता का खेल हो। इस सबके बीच मौका देखकर बीजेपी नेता जितेंद्र सिंह भी मैदान में कूद पड़े हैं। जब लोग आपस में ही उलझे हुए हैं, तो जितेंद्र सिंह ने भी सोचा, क्यों न वह भी अपनी किस्मत आजमा लें? उन्होंने सरकार से मांग कर दी कि मैं शरिया जानता हूं, सुन्नतों पर चलता

हूं, मुझे क़ाज़ी बनाओ, अमन-चैन लाऊंगा।" अब ये तो वही बात हुई कि आपस में लड़ाई चल रही हो और कोई तीसरा आकर मलाई ले जाए। मेरठ के मुसलमानों का एक पक्ष कहता कि हमारी 25वीं पीढ़ी इस पद पर रही, इसलिए इस पर हमारा हक़ है तो वही दूसरा पक्ष बताता है कि हमारा तजुर्बा 42 साल का है। इसलिए इस कुर्सी के लिए हम सबसे बेहतर हैं। ये क़ाज़ी का पद है या कोई टीवी शो का ख़िताब, जिसके लिए ऑडिशन चल रहा है? ऊपर से प्रदर्शन, नारेबाजी और पुलिस पर इल्जाम लगता है इस पाक महीने में चैन सुकून से ज्यादा शोर मचाना जरूरी हो गया है। मज़हब और आस्था के नाम पर

ये जो अखाड़ा बनाया जा रहा है, उससे न तो किसी का भला होगा, न ही समाज की तरक्की। ये नसीहत किसी एक समुदाय के लिए नहीं, बल्कि हर उस शख्स के लिए है जो अपने झगड़ों में इतना उलझ जाए कि अपनी जमीन दूसरों के हवाले कर दे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी का बहिष्कार किया

● मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी का मुस्लिम संगठनों ने विरोध किया

● वक्फ अमेंडमेंट बिल पर चुप्पी को लेकर मुस्लिम संगठन नीतीश कुमार से नाराज दिखाई दे रहे हैं

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 23 मार्च को आयोजित इफ्तार पार्टी का बिहार के मुस्लिम संगठनों ने बहिष्कार कर दिया। इफ्तार ए शरिया संगठन की ओर से एक पत्र लिखा गया, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी का विरोध किए जाने की बात बताई गई।

पत्र में लिखा गया है कि उन्होंने 23 मार्च को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी में शामिल नहीं होने का फैसला लिया है। यह फैसला वक्फ विधेयक के प्रति आपके समर्थन को देखते हुए लिया गया है। जिससे मुसलमानों का आर्थिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन का खतरा है। इमारत ए शरिया ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर धर्मनिरपेक्ष शासन के अपने वादे से विश्वासघात करने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि भाजपा के साथ उनका गठबंधन और वक्फ विधेयक को समर्थन उनके प्रतिबद्धताओं के

विपरीत है। पत्र में लिखा है कि मुसलमानों की चिंताओं के प्रति आपकी सरकार की उदासीनता, ऐसी औपचारिकताओं को निरर्थक बना देती है। मुस्लिम संगठन इमारत ए शरिया ने अपने पत्र में लिखा कि आपकी इफ्तार की दावत का मकसद सद्भावना और भरोसा को बढ़ावा देना होता है, लेकिन भरोसा केवल औपचारिक दावतों से नहीं बल्कि ठोस नीति और उपाय से होता है। नीतीश कुमार की पार्टी का बहिष्कार करने वाले संगठनों में इमारत ए शरिया के अलावा दूसरे संगठन भी शामिल हैं।

अरशद मदनी ने भी बॉयकॉट की बात कही थी:

इससे पहले जमीयत उलेमा ए हिंद ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जैसे नेताओं की इफ्तार पार्टी से दूरी बनाने की घोषणा की थी। जमीअत उलमा ए हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा था की सांकेतिक विरोध के रूप में, खुद को सेक्युलर कहने वाले नीतीश कुमार, नायडू और चिराग पासवान जैसे नेताओं की इफ्तार, ईद मिलन और अन्य आयोजनों में जमीयत उलेमा ए हिंद शामिल नहीं होगी।

क्या हो सकता है बिहार की राजनीति पर प्रभाव?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार के मुसलमान सेक्यूलर छवि का नेता मानते आए हैं। नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने में बिहार के मुसलमानों का बहुत बड़ा योगदान है, लेकिन वक्फ अमेंडमेंट बिल को लेकर बिहार के मुसलमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से नाराज हैं। बिहार में करीब 28 प्रतिशत मुस्लिम वर्ग के मतदाता हैं। बिहार के मुसलमान नीतीश कुमार की जेडीयू और लालू प्रसाद की राजद को वोट देते हैं। यदि मुस्लिम एक तरफा राजद को वोट देते हैं और नीतीश कुमार की पार्टी का बहिष्कार करते हैं तो बिहार में 2025 के अंत में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में रिजल्ट प्रभावित हो सकता है।

बिहार में भाजपा को मुसलमान पहले से ही मामूली समर्थन करते हैं इसलिए कहा जा सकता है कि बिहार में नीतीश कुमार और मुसलमानों का एक दूसरे से अलग होना भविष्य की राजनीति को जरूर प्रभावित करेगा।

पात्र छात्र—छात्राओं को छात्रवृति उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता- अविनाश गहलोत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि छात्र—छात्राओं को छात्रवृति उपलब्ध कराना विभाग की सतत प्रक्रिया है। राज्य सरकार छात्रवृति की प्रक्रिया में निरंतर सुधार कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता है कि छात्रवृति की पेंडेंसी शून्य हो और किसी भी श्रेणी के पात्र छात्र—छात्राएं छात्रवृति से वंचित ना रहे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्न का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024—25 के लिए 31 मार्च अंतिम तिथि तय की है। केवल उन्हीं छात्र—छात्राओं की छात्रवृति होल्ड पर है, जिनके आक्षेपों की पूर्ति छात्र—छात्राओं या शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर परीक्षण कर आक्षेपों की पूर्ति के लिए छात्र—छात्राओं को मौके दिए जाएंगे, ताकि वे छात्रवृति से वंचित ना रहें। गहलोत ने सदन को आश्वस्त करते हुए कहा कि यदि छात्र—छात्राओं के आक्षेप 31 मार्च तक अपलोड नहीं हुए तो अंतिम तिथि को बढ़ाया जा सकता है। सरकार की कोशिश है कि पात्र अभ्यर्थी छात्रवृति से

वंचित नहीं रहें। नेता प्रतिपक्ष के हस्तक्षेप के जवाब में उन्होंने विगत वर्षों में जारी की गई छात्रवृति का वर्षवार ब्योरा भी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इससे पहले विधायक चेतन पटेल कोलाना के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने विभाग द्वारा संचालित उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत शिक्षण संस्थान के स्तर पर कोटा जिले के लम्बित आवेदन जो कि निरस्त किये गये है, ऐसे आवेदकों की वर्गवार एवं वर्षवार संख्यात्मक विवरण सदन के पटल पर रखा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा संचालित उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना केन्द्र सरकार द्वारा प्रदत्त दिशा-निर्देशों के अन्तर्गत संचालित की जाती है। उक्त दिशा-निर्देशों में विद्यार्थियों द्वारा आनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के उपरान्त 90 दिवस में छात्रवृत्ति आवेदन पत्रों के निस्तारण किये जाने का प्रावधान है। विद्यार्थी द्वारा आवेदन की सभी प्रविष्टियां की पूर्ति करने एवं सभी दस्तावेज उपलब्ध कराये जाने पर योजनान्तर्गत बजट उपलब्धता के आधार पर छात्रवृति से लाभान्वित किया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आवेदन पत्र जो अपूर्ण अथवा आक्षेपित है वे आवेदन छात्रवृत्ति हेतु अपात्र होते हैं।

विद्यार्थी/शिक्षण संस्थाओ के पास (शैक्षणिक सत्र 2016-17 से 2022-23 तक) ऐसे लम्बित आवेदन पत्र जिन्हें अनेक प्रयास यथा मैसेज, 181 हेल्प लाइन द्वारा वॉइस मैसेज, शिक्षण संस्थाओं के साथ विडियों कान्फ्रेस एवं दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति द्वारा सूचित करने के उपरान्त भी शिक्षण संस्थाओं द्वारा आक्षेप पूर्ति कर विभाग को अग्रेषित नहीं किये गये, ऐसे आवेदन पत्रों को दिशा-निर्देशों की पालना में निरस्त किया गया है। अतः इन्हें छात्रवृत्ति नही दी जा सकती है।

देश की राजनीति सिर्फ मुस्लिम मुद्दों से चल रही है!

- संसद में मुस्लिम आरक्षण और वक्फ संशोधन बिल चर्चा में

For Sale

1,2,3,4 BHK फ्लैट्स,
मोती डूंगरी रोड ,आदर्शनगर,
जवाहरनगर , फ़तेह टीबा
& near by location
Contact - 8386947005

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। देश की राजनीति में युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, आसमान छूती महंगाई, देश के कोने-कोने में फैला भ्रष्टाचार, सभी को अनिवार्य शिक्षा, देश पर बढ़ता कर्ज, कमजोर विदेश नीति, जातिवाद एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल डीजल के भाव कम होने के बावजूद देश में उच्च स्तर पर भाव और डॉलर के मुकाबले गिरती रुपए की कीमत जैसे मुद्दों को नेता और जनता गंभीर नहीं मान रही है। देश में महंगाई, भ्रष्टाचार एवं बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर आंदोलन होना बंद से हो गए हैं।

देश की संसद और विधानसभाओं में विकास के मुद्दों पर बहस होना कमजोर होता जा रहा है। देश की राजनीति एवं देश में चुनाव सिर्फ कुछ ही विशेष मुद्दों तक सिमट कर रह गए हैं। इन्ही मुद्दों को लेकर संसद और विधानसभाएं चर्चा में रहती है।

सोमवार को भाजपा नेताओं ने कर्नाटक में सरकारी ठेकों में अल्पसंख्यकों के

चार प्रतिशत आरक्षण को लेकर हंगामा किया और संविधान विरोधी बताया। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर बाबा साहब के संविधान को बदलने का आरोप लगाया। देश में मुस्लिम आरक्षण, राजनीति के लिए अब बड़ा मुद्दा बन सकता है।

इससे पहले मंदिर-मस्जिद, लव जिहाद, मॉब लिंचिंग, मस्जिदों में मंदिरों की खोज, बाबर-औरंगजेब, बांग्लादेशी, रोहिंग्या और देश के गद्दार जैसे शब्दों पर राजनीति चल रही थी।

वर्तमान में विश्व के देश चंद्रमा और मंगल पर बस्तियां बसाने की योजना पर काम कर रहे हैं लेकिन हमारे देश में शिक्षा विभाग सूर्य नमस्कार का विश्व रिकार्ड बनाने की योजना पर काम कर रहा है।

मुस्लिम आरक्षण को मुद्दा बनाया जा रहा है

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यकों को 4 प्रतिशत आरक्षण सरकारी ठेकों में देने का प्रावधान किया है। यह कांग्रेस शासित प्रदेश में किया गया है। कांग्रेस पार्टी ने देश में करीब 50 से 60 वर्ष तक शासन किया है, केंद्र की सत्ता में रहते कांग्रेस ने कभी भी मुस्लिमों की शिक्षा, रोजगार एवं आर्थिक स्थिति पर ध्यान नहीं दिया। यही कारण है कि देश का मुस्लिम दलितों से ज्यादा पिछड़ गया। अब जबकि सरकारी ठेकों में चार प्रतिशत सभी अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को आरक्षण देने से मुसलमानों को कोई बड़ा फायदा होने वाला नहीं है। क्योंकि ठेकेदारी करने वाले पूरे कर्नाटक में 50 से 100 लोगों से ज्यादा नहीं होंगे। लेकिन मुस्लिम आरक्षण देने के नाम पर कांग्रेस पूरे देश में राजनीति करती फिरेगी। भाजपा वैसे भी ऐसे मुद्दों की तलाश में रहती है, जो उसे आसानी से मिल गया है। विपक्षी नेताओं को मुस्लिम मुसलमानों की भावनाओं से खेलना अच्छा लगता है।

दूसरी तरफ मुस्लिम के मुख्य मुद्दों पर सभी दल चाहे पक्ष हो और विपक्ष सभी चुप हैं। देश के आगामी चुनाव मुस्लिम आरक्षण और वक्फ संशोधित बिल पर फोकस रह सकते हैं। क्यूंकि देश की जनता भावनाओ में जी रही है। जनता की भावनाओं से खेलकर सत्ता की कुर्सी नेताओ को मिल रही है।

ईद मुबारक

A-ONE मसाला सेन्टर

हमारे यहां शादी, पार्टी, वलीमा और गोठ का रेडीमेड सामान वाजिब रेट पर मिलता है।

स्टू, कोरमा, नाहरी, अफगानी, व्हाईट कोरमा, व्हाईट स्टू और गुलत्ती - बिरयानी का सामान, देशी घी, कोयले व अन्य सामान मिलता है।

कटे हुए प्याज़, छिला हुआ लहसन, अदरक ऑर्डर पर भी मिलता है।

जफर अहमद
जिला अध्यक्ष:- सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया,जयपुर
mob.9929087430 जावेद अहमद - 9928840009

405, मेहनत नगर, 40 फ़ीट रोड, हटवाड़ा सब्ज़ी मंडी के पीछे, हसनपुरा, जयपुर

चौमूं में सेंट्रल पार्क जयपुर की तर्ज पर बड़ा पार्क विकसित करने की सदन में मांग की

चोमूँ, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा में चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने नगर परिषद क्षेत्र में सेंट्रल पार्क जयपुर की तर्ज पर एक बड़ा पार्क विकसित करने की मांग की। विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि नगर परिषद चौमूं क्षेत्र में लगभग 1.25 लाख लोगों की जनसंख्या है। एक बड़े इंडस्ट्रियल एरिया के साथ ही शैक्षणिक और मेडिकल हब के रूप में उभर रहा है। यहां बहुत से व्यापारी व लोग रोजगार कि सिलसिले में आस पास के गांव-शहरों से आ बसे हैं। आज के परिदृश्य में बिगड़ती जीवनशैली को देखते हुए निवासियों के अच्छे स्वास्थ्य की दिशा में काम करते हुए ऐसा पार्क बनाया जाए पार्क में रनिंग ट्रैक, ओपन जिम और योगा एरिया हो ताकि हर उम्र का वर्ग अपने अनुसार पार्क का उपयोग कर सके। चौमूं शहर के स्थानीय लोगों के मनोरंजन के लिए तथा प्रतिभाओं को एक प्लेटफार्म प्रदान करने के लिए पार्क एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। शहर में सीवरेज नहीं होने की वजह से सड़कों पर कीचड़ जमा रहता है जिस वजह से लोगों को सुबह-शाम टहलने के लिए पार्क होना बेहद जरूरी है।

बाल रंगमंच अभिनय कार्यशाला का शुभारंभ

एहसान पठान

चौमूं/ चीथवाड़ी-(रॉयल पत्रिका)। श्री गीतागोपाल नाट्यकला संस्थान चौमूं के तत्वावधान में राजकीय लक्ष्मीनाथ संस्कृत शास्त्री महाविद्यालय चीथवाड़ी के सहयोग से महाविद्यालय में बाल रंगमंच अभिनय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। विद्यार्थियों को कार्यशाला में संस्थान अध्यक्ष गोल्ड मेडलिस्ट रंगमंच कलाकार सुनील सोगण ने रंगमंच व नाट्यकला से संबंधित कई जानकारी दी। सोगण ने व्यक्तित्व विकास, इंप्रोवाइजेशन, अच्छा ड्रेसिंग, भाषण देना, आत्मविश्वास पूर्ण अभिव्यक्ति, रंगमंच के द्वारा अपने विचारों को अभिव्यक्त करना आदि के बारे में विस्तार से बताया । प्रधानाचार्य कैलाश चंद्र बुनकर ने कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए एक सशक्त प्रयास बताया और कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए रंगमंच कार्यशाला का महत्व बताया । कार्यशाला के समापन पर विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा और नाटक का मंचन भी किया जाएगा। इस सुंदर अवसर पर प्राचार्य डॉ. कैलाश चंद्र बुनकर, वरिंदर भट्टाचार्य, मनीष कुमार शर्मा, सुरेश कुमार वर्मा, डॉ. ईश्वर दास शर्मा, महेश कुमार शर्मा, हंसराज दोतोलिया, मंजू रैगर, अनोप मीणा आदि महाविद्यालय के अध्यापकगण उपस्थित थे।

शीतलाष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चैत्र कृष्ण अष्टमी पर शुक्रवार को लोकपर्व शीतलाष्टमी (बास्योड़ा) मनाया गया, महिलाओं ने सुबह मंदिरों में शीतला माता की पूजा अर्चना की ठंडे जल से अभिषेक करने के बाद माता को पुआ, पापड़ी, पूडी, लापसी हलुआ, राबड़ी आदि ठंडे व्यजनों का भोग लगाया गया। महिलाओं ने माता की पूजा अर्चना के बाद घर परिवार को पीड़ाओं से मुक्ति दिलाने की कामना की तथा कहानी सुनी, घर-घर लोगों ने ठंडे पकवान जीमें। वहीं शहर के उद्यानों में रौनक रही, बास्योड़ा पर दिन भर शहर में श्रद्धा का माहौल रहा महिलाओं ने सुबह से बस स्टेण्ड शीतला माता मन्दिर व बदनपुरा चौक शीतला माता मंदिर में गणगौर पूजन वाली महिलाएं गीता गाते हुये शीतला माता का पूजन करने पहुंची। इस दौरान गली मोहल्ले पकवानों की खुशबू से महक उठे। घरों में मिट्टी के बर्तनों में पकवानों को सजाकर रखा गया। इस अवसर पर नवविवाहितों के यहाँ माता का कड़वारा भी भरा व गीतों के साथ मंदिर पहुंची। शहर के परकोटे बाहरी क्षेत्र के लोगों की दिनचर्या प्रभावित रही, सुबह गर्म पानी और चाय पीने वालों को शीतला माता की पूजा के बाद राहत मिली। कुछ घरों में तो दिनभर चूल्हा नहीं जला। लेकिन पूजा के बाद कई घरों में चाय और गर्म भोजन बनाया गया। ठंडे जल से ही स्नान कर भक्त माता के दर पर पहुंचे नवयुवतियों ने पहले माता की कहानी सुनी उसके बाद नियमित की जा रही सोलह दिवसीय आयोजन के तहत गणगौर माता की पूजा की।

ग़ज़ल

दिल का सूना पन कुछ शोर चाहता है
रात का अंधेरा भी इक भोर चाहता है
लालच इस क़दर है के पूछिए नहीं
कुबेर के ख़ज़ाने में भी ओर चाहता है
मतलब के सिवा कोई यहां पूछता नहीं
दाम चुका कर भी वन्समोर चाहता है
पूछता ना था जिसे अब देखिए ज़रा
गुरबत की ओट में चितचोर चाहता है
नाजुकी बख़्शिश में मिली तो क्या हुआ
फन्दे के लिए रेशमी डोर चाहता है

तख़लीक़ : - फ़ज़लुर्रहमान

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं। अथवा नेट बैंकिंग के द्वारा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।
-संपादक

Scan Here

चौमूं में सांस्कृतिक सप्ताह 'निहारिका' में छात्राओं ने प्रस्तुतियों से बांधा समां

एहसान पठान

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूं में शुक्रवार को साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सप्ताह "निहारिका" का समारोह सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. राजेंद्र कुमार ने कहा कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति से छात्राओं के व्यक्तित्व तथा कौशल का विकास होता है। प्राचार्य ने विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए उनकी सराहना की। सांस्कृतिक समिति की संयोजक प्रो. माधुरी गोस्वामी ने बताया कि पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर शिवानी सैनी द्वितीय स्थान पर तनीशा कुमावत व तृतीय स्थान पर निशा शर्मा रही। नारा लेखन में शिवानी सैनी व अंशिका मीणा संयुक्त रूप से प्रथम, परिधि शर्मा द्वितीय व तनु मीणा तृतीय रहे। निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम दिव्या शर्मा, द्वितीय संजना कुमावत व तृतीय सुमन यादव रही। श्लोक पाठ में पायल प्रजापत व पूजा सैनी संयुक्त रूप से प्रथम, कोमल जाट, छवि माहेश्वरी व अंजली प्रजापत संयुक्त रूप से द्वितीय तथा सौम्या ठाकुर तृतीय रहीं। काव्य पाठ में प्रथम सुमन यादव द्वितीय कोमल जाट व तृतीय पूजा सैनी रहीं। वाद विवाद प्रतियोगिता में सुमन यादव ने प्रथम, निशा शर्मा ने द्वितीय व पूजा सैनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल गायन प्रतियोगिता में नेहा प्रजापत प्रथम, वंदना शर्मा द्वितीय तथा सौम्या ठाकुर तृतीय रही। समूह गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया । कोमल जाट, पायल जाट व कोमल जांगिड़ व द्वितीय स्थान पर रही सुमन यादव, आशा यादव एवं गुड्डी यादव। एकल नृत्य प्रतियोगिता में परिधि शर्मा ने प्रथम, निधि खारड़िया ने द्वितीय तथा नेहा प्रजापत व कोमल जाट ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। समूह नृत्य में प्रथम स्थान पर- बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा छवि माहेश्वरी, सुदीक्षा मानावत एवं परिधि शर्मा, शालू रजवानिया, द्वितीय स्थान पर सीमा शर्मा, हर्षिता ज्योतिषी, सारिका जांगिड व तृतीय - पूजा प्रजापत, मीना मीणा, सिमरन कुमावत , खुशी शर्मा ग्रुप रहा। सांस्कृतिक समिति सदस्य डॉ. प्रीति सिंह, डॉ. नीलम शर्मा एवं सुश्री रेशमा कंवर ने विशिष्ट योगदान दिया। महाविद्यालय के संकाय सदस्य प्रो. ऊषा परनामी, प्रो. मीनाक्षी जैन, प्रो. हेमलता अंकोदिया, प्रो. हंसा लुणायच, प्रो. रीना शक्तावत ने निर्णायक के रूप में सहयोग प्रदान किया। कंप्यूटर अनुदेशक शिव सैनी ने भी कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. माधुरी गोस्वामी ने किया व सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

दूदू में संत दादू दयाल स्पोर्ट्स एकेडमी का ऐतिहासिक उद्घाटन, खेलों में नया आयाम

दूदू, (रॉयल पत्रिका)। हिंदुस्तान फाल्कन इंटरनेशनल स्कूल में एक ऐतिहासिक अवसर पर संत दादू दयाल स्पोर्ट्स एकेडमी का उद्घाटन हुआ। इस उद्घाटन समारोह में श्री श्री 1008 श्रीमान ओमप्रकाश दास महाराज जी, नारायना, जट्टेदारी बलविंदर सिंह जी, गुरुद्वारा नारायना के साथ-साथ मुख्य अतिथि नीरज कुमार पवन IA और अध्यक्ष डॉ. बी एल जटावत, IAS की गरिमामय उपस्थिति रही। समारोह में हारुन खान, मुकेश मीना, मोहन जेवरिया, नाथू लाल टांक सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और अतिथियों ने भी भाग लिया। समारोह में राष्ट्रीय बैडमिंटन मेडलिस्ट तनु प्रजापत, किक बॉक्सिंग के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिम्मत स्वामी, आमिर खान, और दूदू क्षेत्र की प्रतिभाएं जैसे किरण चौधरी, दिशा कंवर और वीरेंद्र प्रजापत को भी सम्मानित किया गया। इन खिलाड़ियों ने कबड्डी में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑल इंडिया में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। इसके अलावा, दूदू जिला कबड्डी टीम को भी राज्य स्तर पर पोजीशन हासिल करने के लिए सम्मानित किया गया। प्रोग्राम को और भी ऐतिहासिक बनाने में इन खिलाड़ियों की उपस्थिति ने चार चांद लगा दिए। राजस्थान खेल विभाग के प्रमुख नीरज कुमार पवन ने इस अवसर पर कहा, "हमें यह विश्वास नहीं था कि इतनी जल्दी एक स्पोर्ट्स अकैडमी का उद्घाटन हो जाएगा। राजस्थान स्पोर्ट्स सेक्रीटरी के तौर पर मैं इस उपलब्धि पर बधाई देता हूं और हर संभव मदद के लिए हम आपके साथ हैं।" संत दादू दयाल स्पोर्ट्स एकेडमी के निदेशक मोहम्मद आसिफ खान ने अपने संबोधन में कहा, "जैसे हिंदुस्तान फाल्कन इंटरनेशनल स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं, वैसे ही खेल के क्षेत्र में भी दूदू और आसपास के क्षेत्र नए आयाम स्थापित करेगा। हमारी टीम पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ खिलाड़ियों के साथ खड़ी है और हम उम्मीद करते हैं कि हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे।" इस अवसर पर दूदू शारीरिक शिक्षक संघ के सभी पदाधिकारियों और ग्रामीणवासियों का भी आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह उद्घाटन समारोह दूदू क्षेत्र में खेलों के क्षेत्र में एक नई शुरुआत का प्रतीक है और उम्मीद है कि यह अकादमी यहां के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सामिया कौसर को इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने किया सम्मानित

मोहम्मद यासीन

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा 22 मार्च को प्रिंसिपल अफसार अहमद की पुत्री सामिया कौसर को बी.टेक इंजीनियरिंग (EEE ब्रांच) के पांचवें सेमेस्टर में टॉप करने की उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में उन्हें प्रमाण पत्र और मोमेंटो प्रदान किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सामिया कौसर जैसी प्रतिभाशाली छात्राएं देश के तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के सम्मान जरूरी हैं, ताकि वे प्रेरित होकर और अधिक मेहनत करें। सम्मान समारोह में शिक्षा जगत के प्रतिष्ठित लोग, विश्वविद्यालय के अधिकारी, संकाय सदस्य, छात्र-छात्राएं और सामिया के पिता प्रिंसिपल अफसर अहमद व परिवारजन भी मौजूद रहे। सभी ने सामिया की इस उपलब्धि की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सामिया कौसर ने इस सम्मान के लिए अपनी कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य आगे भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश के विकास में योगदान देना है।

सुरेश तँवर के अध्यक्ष एवं डॉ. मानप्रकाश सैनी के महामंत्री बनने पर समाज में खुशी की लहर

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अनुभव चंदेल द्वारा चौमूं तहसील के अध्यक्ष पद पर सुरेश तँवर एवं महामंत्री पद पर डॉ. मानप्रकाश सैनी को मनोनीत करने पर चौमूं सैनी समाज ने खुशी जाहिर करते हुए सैनी समाज सभा भवन में माली समाज अध्यक्ष हीरालाल पांच्या की अध्यक्षता एवं नगर परिषद चौमूं सभापति विष्णु सैनी के मुख्य आतिथ्य में समाज के प्रबुद्ध जनों द्वारा साफा, माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत सत्कार करते हुए इनके मनोनयन पर बधाई दी।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर और ग्रामीण की बैठक आयोजित हुई

- प्रदेश सचिव लईक अहमद, विधानसभा प्रभारी शंकर बाजडोलिया शामिल हुए

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार सवाई माधोपुर विधानसभा के प्रभारी शंकर बाजडोलिया ने सवाई माधोपुर विधानसभा की दोनों ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण की बैठक खिरनी चामुंडा मंदिर में आयोजित हुई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पधारे शंकर बाज डोलिया ने कहा कि कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा, जो भी कार्यकर्ता निष्क्रिय हैं उनके स्थान पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को लिया जाएगा। कार्यकर्ताओं की रिपोर्ट जो भी काम करेगा उसकी रिपोर्ट ऊपर तक पहुंचाई जाएगी, उनका समय-समय पर सम्मानित किया जाएगा।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव लईक अहमद ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया कि आज हम केंद्र ओर राज्य में नहीं हे लेकिन हमारे हौंसले बहुत बुलंद है।उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने इस देश में लंबा शासन चलाया हे उसकी वजह हे कांग्रेस में संगठनात्मक ताकत बहुत मजबूत रही है। स्व. इंदिरा गांधी, स्व. राजीव गांधी, स्व. डॉ. मनमोहन सिंह जैसे नेताओं की प्रशंसा की इन्होंने अपने समय में संगठन के लिए भरपूर कार्य किया। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर ने की उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सक्रिय होकर काम करें सक्रिय कार्यकर्ता को चयन करके जिम्मेदारी दी जाएगी कांग्रेस पार्टी ने देश की आजादी के लिए कुर्बानियां दी 2 प्रधानमंत्री ने कुर्बानियां दी कांग्रेस ने गरीब मजदूर दलित एससी एसटी ओबीसी अल्पसंख्यक किसान छोटे-छोटे फुटकर व्यापारियों को उत्थान के लिए योजनाएं बनाई उनके विकास का पूरा ध्यान रखा उनका पंचायत राज नगर पालिका विधानसभा लोकसभा इनमें आरक्षित कर उनको उचित प्रतिनिधित्व देने का काम कांग्रेस ने किया कांग्रेस ने निचले स्तर से गरीब को उठाने का काम किया है इसलिए कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत करने की आवश्यकता है। बैठक में मलाना डूंगर पंचायत समिति के प्रधान देवपाल मीना, सवाई माधोपुर उप जिला प्रमुख बाबूलाल मीणा, जिला महासचिव केदारनाथ मीणा, शहर ब्लॉक अध्यक्ष अनिल वर्धमान, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष घासी लाल बैरवा, प्यार सिंह गुर्जर, महेश चंदेल मस्तराम गुर्जर, रामजीलाल गुर्जर विजेंद्र सरपंच, पटवारी जी, संजय गौतम आदि कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

सांगानेर में आयोजित इफ्तार पार्टी में उमड़ा जन सैलाब

- विधायक अमीन कागजी हुए शामिल

जयपुर/ सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर के कोहिनूर सिनेमा के ओनर शाहिद भाई एवं खालिद भाई बरकाती ने रमजान के मुबारक मौके पर हर साल की भांति इस साल भी इफ्तार पार्टी का प्रोग्राम रखा। इस मौके पर चारों तरफ रोजेदारों का हुजूम देखने को मिला इफ्तार पार्टी में अल्लाह की रहमत बरस रही थी। इफ्तार पार्टी में हर साल रोजेदारों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इस अवसर पर बरकाती परिवार ने सबका इस्तकबाल किया। आखिर में नमाज अदा की गई और देश मे अमन चैन की दुआ मांगी गई। हमारे वतन हिंदुस्तान को दुश्मनों की बुरी नजर से बचाए। हमारा देश दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करें। हमारे देश में हिंदू मुस्लिम भाईचारा बना रहे। इस मौके पर इफ्तार पार्टी में हज कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं किशनपोल विधायक अमीन कागजी, जावेद कागजी एल पेपर, हाजी नवाब कागजी सागर पेपर, हाजी आरिफ देशवाली, हाजी इम्तियाज भाई, हाजी सलीम भाई, हाजी याकूब भाई, आदि शामिल हुए।

वतन फाउंडेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

- धर्मगुरुओं द्वारा फाउंडेशन कार्यालय का किया गया उद्घाटन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित शान्ति नगर खेरदा में रविवार को सामाजिक सरोकार से जुड़े जन सेवा के कार्य कर रहे वतन फाउंडेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं कार्यालय उदघाटन समारोह आयोजित किया गया। सोच हमारा पैगाम भाईचारे की थीम पर पिछले 9 सालों से कार्य कर रहे वतन फाउंडेशन की दसवीं वर्षगांठ एवं शहीद दिवस के मौके पर ये विशेष आयोजन किये गए। टीम वतन फाउंडेशन के मुखिया एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष हुसैन आर्मी ने बताया कि कार्यकर्म में मुख्यातिथि के रूप में नगर परिषद सभापति मेघा वर्मा एवं सभी धर्मों के धर्मगुरु शामिल हुए। कार्यकम की शुरुआत में वतन फाउंडेशन कार्यालय का धर्मगुरुओं ने फीता काटकर उद्घाटन किया जिसके पश्चात कार्यकारणी की घोषणा की गई। अध्यक्ष हुसैन आर्मी ने उपाध्यक्ष पद पर वरिष्ठ सदस्य कैलाश सिसोदिया के नाम की घोषणा की। जबकि डॉक्टर मुमताज अहमद, वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर रामलाल बैरवा, सेवानिवृत प्राचार्य रजनी लक्ष्यवाल को संरक्षक पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।फाउंडेशन की महासचिव पद पर रूमा नाज एवं कार्यकारणी में सचिव पद के लिए संजय बैरवा, उपसचिव राजेंद्र अग्रवाल, हरक चंद जैन, कोषाध्यक्ष पद पर महेश योगी, प्रवक्ता के रूप में मोईन खान को जिम्मेदारी दी गई। कानूनी सलाहकार के रूप में बिजनौर उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ एडवोकेट हसन अली चौधरी एवं दिल्ली उच्चन्यालय की एडवोकेट नेमत तोहिद को जिम्मेदारी दी गई। आर्मी ने बताया कि संगठन सचिव पद पर सुनीता मधुकर, सह संगठन सचिव सुमन शर्मा, मीडिया प्रभारी नरेन्द्र शर्मा, सलीम खान, उपसचिव पद पर मंजू गंगवाल, सीमा छाबड़ा एवं संगठन उप सचिव के पद पर सुनीता गोमे, आसिफ रजा, मुकेश जैन को मनोनीत किया गया। अध्यक्ष हुसैन आर्मी ने बताया कि फाउंडेशन टीम के 50 सदस्यों को कार्यकारणी सदस्य के रुप में जिम्मेदारियां सौंपी गई।

शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने दी श्रद्धांजलि

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा रविवार को महावीर पार्क में शहीद भगत सिंह सुखदेव राजगुरु को उनके शहीद दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण किया गया पुष्प चढ़ाए गए। इस अवसर पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड रामगोपाल गुणसरिया, राजस्थान किसान सभा के जिला अध्यक्ष कांजी मीणा, किसान सभा के जिला सचिव कालूराम मीणा, राजस्थान खेत मजदूर यूनियन के जिला अध्यक्ष भरतलाल मीणा, ट्रेड यूनियन एटक नारायण लाल बेरवा राय, अहमद अंसारी, दुर्गा लाल बेरवा, राजस्थान प्रगतिशील महिला के फेडरेशन सचिव शबनम बानो, पूर्व अध्यक्ष कंचन देवी महावर आदि ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पूंजीवादी व्यवस्था में उत्पन्न जातिवाद और सांप्रदायिकता से गरीबों, मजदूरों, महिलाओं, दलितों, छात्रों, नौजवानों, पर बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, जमाखोरी मिलावट के हथियार से हमला किया जा रहा है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी 23 मार्च से 14 अप्रैल अंबेडकर जयंती तक राजनीतिक चेतना अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करेगी।

जो हो रहा है होता रहे, हमको क्या करना है!

- इसी सोच के चलते जयपुर का घनी मुस्लिम आबादी वाला क्षेत्र रहने के हिसाब से मुश्किल होता जा रहा है।

- क्षेत्र में चाय, किराना और ठेलों पर नशा बिक रहा है, युवा नशेड़ी हो रहे हैं, सड़कों और सरकारी जगहों पर अतिक्रमण करके मकान दुकान बनाए जा रहे, देर रात तक आवारा युवा गाड़ियों को दौड़ाकर हो हल्ला करते हैं, बोर्ड की परीक्षाएं चलने के बावजूद देर रात तक गली मोहल्लों में शोर दिखाई दे रहा है, पुलिस से या दूसरे सरकारी विभाग में शिकायत यह सोचकर नहीं की जाती की हमको किसी का बुरा नहीं बनना है जो हो रहा है होता रहे हमको क्या करना है

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के मुस्लिम बाहुल्य घनी आबादी वाले क्षेत्रों में लोगों के लिए शांति से रहना, छात्र-छात्राओं को बोर्ड परीक्षा चलने के बावजूद शांति से पढ़ना आसान नहीं है। क्षेत्र में देर रात तक किराना, पान और चाय की दुकानें खुलती है। कहने के लिए इन पर किराना वस्तुएं, चाय एवं पान मिलते हैं लेकिन इनकी आड़ में नशा धड़ल्ले से बेचा जाता है। नियमों के अनुसार आबादी क्षेत्र एवं बाजारों में दुकान रात 10:00 बजे के बाद नहीं खोली जा सकती है लेकिन क्षेत्र में देर रात तक दुकाने खुली रहती है। इस चाय, पान एवं किराना की दुकानों पर रात में सिगरेट के छल्ले उड़ाते युवा आसानी से बड़ी तादाद में मिल जाते हैं। पुलिस प्रशासन बिना शिकायत कार्यवाही नहीं करता है। शिकायत के बाद में एक-दो दिन दुकान बंद रखते हैं और फिर देर रात तक खोलने लग जाते हैं। फिर कोई पुलिस वाले बंद नहीं करवाने आते। घनी आबादी में बड़ी संख्या में लोग इस समस्या से परेशान है। फिर भी हो हल्ला, नशेड़ियों, बदमाशों एवं लफंगों को दुकानों पर नशा करता देखना अपनी आदत बना लिया है। बुरी आदतों, बुरी बातों एवं बुरा देखकर भी विरोध नहीं किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में रहना लोगों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। बच्चों की पढ़ाई का एवं अच्छे व्यवसाय का माहौल तो बिल्कुल नहीं है। मुस्लिम लीडर्स, राजनीतिक कार्यकर्ता एवं समाज सेवी, सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। कुछ लोग क्षेत्र में मकान बेचकर बाहरी क्षेत्रों में बच्चों के अच्छी पढ़ाई के लिए जा रहे हैं।

सरकारी जमीनों पर कब्जे - सरकारी जमीनों पर कब्जों का मामला केवल मुस्लिम समुदाय तक सीमित नहीं है। दूसरे समुदाय भी सरकारी जमीनों पर कब्जे करने में कहीं भी पीछे नहीं है। लेकिन मुस्लिम क्षेत्रों में छोटी-छोटी, सकड़ी गलियां होने के बावजूद अतिक्रमण करके मकान दुकान बनाना एक फैशन बन गया है। यही कारण है कि जयपुर के चारदिवारी के आबादी क्षेत्र में कोई भी चौक, सवील, मैदान, चौड़ी सड़क, गलियां बिना अतिक्रमण के नहीं बची है। अतिक्रमियों के हौंसले इतने बुलंद है कि उन्होंने स्कूल, हॉस्पिटल आदि पर कब्जा करने से भी परहेज नहीं किया। वर्तमान में भ्रष्ट प्रशासन और राजनीति के कारण सबने चुप्पी साध रखी है। सभी ने यही सोच रखा है कि जो बोलेगा वही फंसेगा। कोई सच बोलने और विरोध करने के लिए तैयार नहीं है। ऐसा लगने लगा है कि वर्तमान में सच केवल एआई ही बोल सकता है इंसान नहीं।

12 वर्षों बाद हुए होटल एसोसिएशन ऑफ जयपुर के चुनाव

- दिलीप तिवारी टीम की शानदार जीत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)।होटल एसोसिएशन ऑफ जयपुर के चुनाव 12 वर्षों बाद संपन्न हुए, जिसमें दिलीप तिवारी टीम ने शानदार जीत दर्ज की। इससे पहले एसोसिएशन में प्रतिवर्ष मनोनीत नियुक्तियां होती थीं, लेकिन इस बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव कराए गए। इस चुनाव में दो प्रमुख टीमें – दिलीप तिवारी टीम और लुनिवाल टीम के बीच कड़ी टक्कर हुई, लेकिन टीम तिवारी के सभी 11 प्रत्याशियों ने विजय प्राप्त की। इस बड़ी जीत में होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष हुसैन खान, रणविजय सिंह, अनिल कुमावत, मनीष शर्मा, कृष्ण अवतार और सुभाष शर्मा की अहम भूमिका रही। विजयी प्रत्याशियों में दिलीप तिवारी, विपुल मैनी, प्रकाश शर्मा, जितेंद्र सुपा, मनीष विधानी, सुरेश खंडाका, राजवीर सिंह, तारीक सलीम, दीपक गुप्ता, कुणाल चौधरी और पीयूष अग्रवाल शामिल हैं। हुसैन खान ने कहा कि जल्द ही अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों के चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। होटल उद्योग से जुड़े लोगों ने इस ऐतिहासिक चुनाव को एसोसिएशन के लिए एक नए युग की शुरुआत बताया है।

ऑपरेशन आग के तहत जयपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

- गैंग के मुख्य सरगना सहित 4 गैंगस्टर गिरफ्तार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। शहर की संजय सर्किल थाना पुलिस ने एक गैंग के मुख्य सरगना समेत चार गैंगस्टर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्तौल, एक देसी कट्टा, 7 जिंदा कारतूस और 2 धारदार कटार बरामद किए हैं। आरोपियों की साजिश विरोधी गैंग के सदस्यों की हत्या कर वर्चस्व कायम करने की थी। पुलिस के अनुसार, दोनों गैंग के बीच पिछले 6 महीने से गैंगवार चल रही थी और जयपुर के आदर्श नगर, विधायकपुरी, सदर और शास्त्री नगर में कई बार हमले हो चुके हैं। डीसीपी नॉर्थ राशि डोगरा ने बताया कि गैंगवार की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए एडिशनल डीसीपी नॉर्थ बजरंग सिंह शेखावत के निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया। डीएसटी नॉर्थ और संजय सर्किल थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चारों गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी जयपुर शहर में विभिन्न क्लबों, सटोरियों और व्यापारियों को डराकर वसूली कर रहे थे। इसके अलावा, गैंग के सदस्यों में वर्चस्व की लड़ाई के चलते एक-दूसरे की हत्या करने की साचिश रच रहे थे। डीसीपी के अनुसार, गैंग के सदस्य पिछले कई महीनों से एक-दूसरे की हत्या करने की साजिश रच रहे थे। गैंग के बदमाश जयपुर के विभिन्न इलाकों में मारपीट, जानलेवा हमला, गाड़ियों को जलाना और तोड़फोड़ जैसी घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस की सख्ती के चलते गैंग के अधिकतर सदस्य अंडरग्राउंड हो गए थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वसीम अहमद, मोहम्मद शाहरुख, मोहम्मद शाहरुख मलंग और फिरोज खान उर्फ सद्दाम को गिरफ्तार किया है। ये सभी बदमाश हथियारों के साथ दूसरी गैंग के सदस्यों की हत्या करने के लिए एकत्रित हुए थे, लेकिन पुलिस ने समय रहते उन्हें दबोच लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

बगरू विधानसभा क्षेत्र की ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई संपन्न

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के संगठन में मजबूती प्रदान करने के लिए सभी विधानसभाओं में बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर बगरू विधानसभा क्षेत्र की ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक वाटिका रोड खेतापुरा में रखी गई। बैठक की अध्यक्षता बगरू विधानसभा की पूर्व विधायक गंगा देवी ने की। बैठक का संचालन विजेंद्र सिंह सिहाग ने संभाला। जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरआर तिवारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करना हमारी पहली प्राथमिकता है। यदि संगठन मजबूत होगा तो पार्टी भी मजबूत होगी। संगठन के बल पर ही हमने बड़ी-बड़ी विजय प्राप्त की है और आगे भी करेंगे। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बगरू के अध्यक्ष राम अवतार शर्मा मोगरा ने बताया कि पार्टी को मजबूत करने के लिए हर विधानसभा में बैठकें आयोजित की जा रही है। बैठक में बगरू विधानसभा के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रमज़ान में इबादत के साथ इंसानियत की सेवा में जुटे जयपुर के नौजवान

● घर-घर जाकर कर जरूरतमंदों को बाँट रहे रमज़ान किट और ईद किट

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। रमज़ान के पाक महीने में जहां हर कोई इबादत में मग्न है, वहीं राजधानी जयपुर के कुछ नौजवान इस मौके को नेकी कमाने और जरूरतमंदों की मदद करने का जरिया बना रहे हैं। यह युवा सिर्फ खुद के लिए दुआ नहीं कर रहे, बल्कि उन परिवारों के लिए भी फरिश्ता बन रहे हैं, जिनके लिए रोज़ा रखना तो दूर, इफ्तार का इंतजाम करना भी मुश्किल होता है। जयपुर के रामगंज क्षेत्र स्थित के बाबू का टीबा के रहने वाले आकिब खान लब्बैक और उनकी "मीम टीम" ऐसे ही जरूरतमंदों तक राशन, दवाइयां और अन्य जरूरी सामान पहुंचाने का काम कर रही है। समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय संगठन मीम टीम (Movement for Education and Empowerment for Masses) जरूरतमंदों की मदद के लिए लगातार काम कर रहा है। मीम टीम राजस्थान के मीडिया प्रभारी आकिब खान लब्बैक बताते हैं कि रमज़ान के दौरान हर घर में लज़ीज़ पकवान बनते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी घर हैं जहां रोज़मर्रा का खाना तक मयस्सर नहीं होता। उनकी टीम ऐसे परिवारों को खोजकर उन तक जरूरी राशन मुहैया कराती है ताकि वे भी इफ्तार कर सकें और भूखे न रहें। आकिब और उनकी टीम के साथी जरूरतमंद परिवारों को आटा, चावल, दाल, चना, बेसन और तेल जैसी आवश्यक चीजों से भरपूर इफ्तार किट बीते पांच सालों से बाँट रहे हैं। इस नेक काम में उनके साथी मीम राजस्थान के अध्यक्ष अब्दुल अलीम, कोषाध्यक्ष शहजाद खान और सचिव हाफिज रऊफ सहित कई अन्य युवा जुड़े हुए हैं।

रमज़ान में जरूरतमंदों के लिए खास अभियान:
आकिब बताते है कि मीम टीम राजस्थान हर साल रमज़ान में विशेष सहायता अभियान चलाती है, जिसके तहत रमज़ान और ईद किट वितरित की जाती हैं। रमज़ान किट में 10 किलो आटा, तेल, चीनी, चायपत्ती, और अन्य ज़रूरी सामान होता है तो वहीं ईद किट में सेवइयां, दूध, ड्राई फ्रूट्स, चावल, और अन्य मिठाइयों का सामान होता है। इस रमज़ान अब तक वे लोग 250 रमज़ान किट से ज्यादा बांट चुके है। बीते साल उन्होंने 1500 से अधिक ईद किट जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाई थी इस बार भी 1500 या उससे ज्यादा ईद किट पहुंचाने का लक्ष्य है। ईद किट में सेवइयां बनाने का पूरा सामान होता है, ताकि हर परिवार ईद की खुशियों में शामिल हो सके।

समाज सेवा के अन्य कार्य:
मीम टीम का कार्य क्षेत्र सिर्फ रमज़ान तक सीमित नहीं है। संगठन सालभर विभिन्न समाजसेवी कार्यों में संलग्न रहता है। जरूरतमंदों को रोजगार दिलाने से लेकर उनकी आजीविका को फिर से स्थापित करने तक, संगठन हरसंभव मदद करता है। कई छोटे व्यापारियों को ठेले, फल-सब्जी के कारोबार, चाय की दुकान जैसे कामों के लिए आर्थिक सहायता दी गई है। जयपुर में एक दुकान जल जाने की घटना में मीम टीम ने दुकानदार की फिर से दुकान शुरू कराने में मदद की थी। इसके अलावा, मीम टीम जरूरतमंद छात्रों की शिक्षा को भी प्राथमिकता देती है। कई बच्चों की स्कूल फीस अदा की गई है, ताकि वे पढ़ाई जारी रख सकें। साथ ही, महिलाओं के लिए ब्यूटीशियन और कंप्यूटर क्लासेज जैसी स्किल ट्रेनिंग मुफ्त में कराई जाती है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। संगठन समय-समय पर ब्लड डोनेशन कैंप भी आयोजित करता है। मीम टीम का उद्देश्य बिना किसी धार्मिक भेदभाव के हर जरूरतमंद की मदद करना है। आकिब खान लब्बैक कहते हैं, "हम सिर्फ मुसलमानों की नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद की मदद करते हैं। चाहे वे हिंदू हों या मुस्लिम, हमारा मकसद सिर्फ इंसानियत की सेवा करना है।" उनका मानना है कि "खिदमत से खुदा और इबादत से जन्नत मिलती है।"

मीम टीम से कैसे जुड़ सकते हैं?
अगर कोई मीम टीम का हिस्सा बनना चाहता है या समाज सेवा में योगदान देना चाहता है, तो वे आसानी से संगठन से संपर्क कर सकते हैं। टीम के मीडिया प्रभारी आकिब खान लब्बैक के अनुसार, "कोई भी व्यक्ति जो जरूरतमंदों की सेवा करना चाहता है, वह हमसे जुड़ सकता है। हमें कॉल करें, हमारी मीटिंग्स में शामिल हों और सेवा कार्यों का हिस्सा बनें।" अगर कोई भी व्यक्ति समाज सेवा में योगदान देना चाहता है या इस नेक काम का हिस्सा बनना चाहता है, तो वह मीम टीम से जुड़ सकता है। संगठन का मुख्यालय जयपुर के बाबु का टीबा, रामगंज में स्थित है और कोई भी व्यक्ति संपर्क कर इस मुहिम का हिस्सा बन सकता है। जयपुर के युवाओं की ये मीम टीम सिर्फ इबादत में ही नहीं, बल्कि इंसानियत की सेवा में भी रमज़ान का असली मकसद पूरा कर रहे हैं। उनका यह प्रयास समाज में एक मिसाल बन चुका है और यह साबित करता है कि जब नेक नीयत और सच्ची लगन हो, तो इंसानियत की सेवा किसी भी इबादत से कम नहीं होती।

राजस्थान मदरसा बोर्ड सचिव ने ली राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान मदरसा बोर्ड के सचिव चेतन चौहान ने गुरुवार को राज्य के सभी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की। यह बैठक अतिरिक्त मुख्य सचिव, अल्पसंख्यक मामलात विभाग अश्विनी भगत के निर्देशानुसार आयोजित की गई थी।

बैठक में प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसमें संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, मुख्यमंत्री मदरसा आधुनिकीकरण योजना, आपार आईडी, और यू-डाइस जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के साथ समन्वय करके मदरसों में मिड डे मील कार्यक्रम के तहत पोषाहार सुनिश्चित करें, ताकि पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को पौष्टिक भोजन मिल सके। मदरसा बोर्ड भवन में आयोजित इस बैठक में वरिष्ठ लेखा अधिकारी पवन यादव, विधि अधिकारी अंकित भट्ट, और मदरसा बोर्ड के अन्य अधिकारीगण और कर्मचारीगण मौजूद थे।

मदरसा बोर्ड सचिव का जोर: पोषाहार उपलब्ध करवाना
राजस्थान मदरसा बोर्ड के सचिव श्री चेतन चौहान ने सोमवार को मदरसों में पोषाहार की उपलब्धता को लेकर एक समीक्षा बैठक आयोजित की। यह बैठक भी अतिरिक्त मुख्य सचिव, अल्पसंख्यक मामलात विभाग श्री अश्विनी भगत के निर्देशानुसार आयोजित की गई थी। चौहान ने बैठक में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे मदरसों का सत्यापन कर जल्द से जल्द पोषाहार उपलब्ध कराएं, ताकि मदरसों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को पौष्टिक और संतुलित भोजन प्राप्त हो सके। इस बैठक में वरिष्ठ लेखा अधिकारी पवन यादव, मिड डे मिल के डिप्टी कमिश्नर आशीष व्यास, जयपुर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्धा सहित मदरसा बोर्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और मिड डे मिल कार्यक्रम के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

दोनों बैठकों में मुख्य विषय मदरसों में पोषाहार की उपलब्धता और संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई थी, ताकि मदरसा शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सके और बच्चों को पर्याप्त पोषण मिले।

रमज़ान के दौरान पुलिस द्वारा बच्चों को हिरासत में लेने पर पुलिस कमिश्नर को दिया ज्ञापन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। रमज़ान के मुकद्दस महीने में मुस्लिम समुदाय के बच्चों को जयपुर पुलिस द्वारा अवैध रूप से घंटों थाने में बिठाए जाने के संबंध में एजीटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष नजीफ़ाह ज़ाहिद ने जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ को एक ज्ञापन दिया। इस ज्ञापन में उन्होंने पूरे मामले से पुलिस कमिश्नर को अवगत कराया और पुलिस प्रशासन की लापरवाही पर चिंता व्यक्त की। ज्ञापन में नजीफ़ाह ज़ाहिद ने बताया कि रमज़ान के दौरान मुस्लिम समुदाय के बच्चों को बिना किसी कानूनी कारण के थाने में घंटों बिठाया गया, जो कि पूरी तरह से अनुचित और अवैध है। इस मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने पुलिस प्रशासन से निष्पक्षता और संवेदनशीलता की उम्मीद जताई। इस पर जवाब देते हुए, पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने कहा कि जयपुर पुलिस द्वारा जो बाइक स्टंट, नारेबाजी और हुड़दंग मचाने वाले बच्चों पर कार्रवाई की जा रही है, उन पर पहले से ही गाइडलाइंस जारी की गई हैं। उन्होंने कहा, "अगर किसी भी तरह की लापरवाही हो रही है, तो मुझे सूचित करें, मैं कार्रवाई करूंगा।" पुलिस कमिश्नर ने यह भी कहा कि यदि भविष्य में इस तरह की कोई शिकायत आती है, तो तत्काल उनके पास लाया जाए और वे मामले पर सख्त कार्रवाई करेंगे।

एसडीपीआई की इफ्तार पार्टी में देश में अमन-भाईचारे की दुआ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। रविवार को एसडीपीआई राजस्थान ने अपने स्टेट ऑफिस में रमज़ान इफ्तार पार्टी का आयोजन किया, जिसमें पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और महत्वपूर्ण नेता शामिल हुए। कार्यक्रम में देश में अमन और भाईचारे की दुआ की गई और एसडीपीआई के विभिन्न नेताओं ने संविधान की हिफाज़त की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एसडीपीआई हमेशा हर वर्ग के अधिकारों की रक्षा करती रहेगी और देश के लिए काम करती रहेगी। रोज़ा इफ्तार के बाद पार्टी के नेताओं ने वक्फ जायदाद बिल को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वक्फ की ज़मीन, जो मुसलमानों के पूर्वजों की जायदाद है, को किसी भी सरकार द्वारा छेड़छाड़ करने की इजाज़त नहीं दी जाएगी। नेताओं ने वक्फ संशोधन बिल को अस्वीकार करते हुए इसे मुस्लिम समुदाय के अधिकारों पर हमला बताया। कार्यक्रम में हाल ही में ईडी द्वारा एसडीपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम के फैज़ी की गिरफ्तारी और पार्टी के विभिन्न राज्य कार्यालयों पर किए गए छापे की भी आलोचना की गई। नेताओं ने आरोप लगाया कि बीजेपी के इशारे पर काम करने वाली ईडी पार्टी के नेताओं की आवाज़ को दबाने के लिए ये कदम उठा रही है। उन्होंने इसे तानाशाही सरकार का गलत इस्तेमाल करार दिया। कार्यक्रम में मौजूद नेताओं ने संविधान की रक्षा और नागरिक अधिकारों के लिए अपनी आवाज़ उठाई और कहा कि एसडीपीआई हमेशा लोकतंत्र और समाज के हर वर्ग की सुरक्षा के लिए लड़ती रहेगी। इस अवसर पर एसडीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव इलियास मोहम्मद तुम्बे, राष्ट्रीय महासचिव यास्मीन फारूकी, अध्यक्ष अशफाक हुसैन, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अज़हर तम्बोली, राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. शाहबुद्दीन खान, नेशनल कोर्डिनेटर भीम आर्मी मोहन लाल बैरवा, सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट चैतन बैरवा, भीम आर्मी सांगानेर दीपक सुरेंद्र और अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे।

APCR के हस्तक्षेप से ऐतिहासिक मस्जिद और कब्रिस्तान की याचिका में यथास्थिति का आदेश मिला

विजयनगर/ब्यावर। सिविल अधिकारों की रक्षा के लिए कार्यरत संस्था एपीसीआर (Association for Protection of Civil Rights) ने विजयनगर में स्थित ऐतिहासिक मस्जिद और कब्रिस्तान को बचाने के लिए महत्वपूर्ण कानूनी कदम उठाया है। इस हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप राजस्थान वक्फ अधिकरण जयपुर ने इस मामले में आगामी 25 अप्रैल 2025 तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया है, जिससे स्थानीय समुदाय को बड़ी राहत मिली है।

मुकदमे का शीर्षक: पीरू मोहम्मद बनाम नगरपालिका बिजयनगर वगैराह

मुकदमे का नंबर: 14/2025, 15/2025

याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता: सैयद सआदत अली, अमानुल्लाह खान, आतिफ अमान

इस मामले में एपीसीआर राजस्थान चैप्टर ने स्थानीय कमेटी के माध्यम से बिजयनगर नगर पालिका द्वारा जारी किए गए अतिक्रमण नोटिस क्र./न.पा.बि./अतिक्रमण/2025/5706-5707 के खिलाफ राजस्थान वक्फ अधिकरण जयपुर में दावा पेश किया था। एपीसीआर ने न्यायालय में याचिकाकर्ताओं की निःशुल्क पैरवी की और यह तर्क प्रस्तुत किया कि नगर पालिका द्वारा जारी किए गए नोटिसों से प्राकृतिक न्याय, इबादत के अधिकार, और कानून के शासन का उल्लंघन हो रहा है। याचिकाकर्ताओं ने इन अव्यावसायिक और मनमाने नोटिसों को रद्द करने की मांग की थी। राजस्थान वक्फ अधिकरण जयपुर के न्यायधीश भंवर लाल बुगालिया और सदस्य शमीम कुरेशी ने मामले की सुनवाई करते हुए अंतरिम आदेश जारी किया। उन्होंने कहा, "संपत्ति पर स्थिति यथावत रखी जाए," और इस प्रकार इस धार्मिक स्थल पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगा दी। एपीसीआर राजस्थान ने वक्फ अधिकरण के इस आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि यह फैसले से स्थानीय समुदाय को बड़ी राहत मिली है, जो इस ऐतिहासिक धार्मिक स्थल के संरक्षण के लिए संघर्ष कर रहा था।

यूनाइटेड मुस्लिम ऐड द्वारा रोज़ा इफ़्तार एवं करियर काउंसलिंग प्रोजेक्ट पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। यूनाइटेड मुस्लिम ऐड (UMA) की ओर से रोज़ा इफ़्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के विभिन्न स्कूल्ज के ज़िम्मेदारों और प्रिंसिपल्स /डायरेक्टर्स को आमंत्रित किया गया। इस बैठक में क़ौम और मिल्लत के स्कूलों में करियर काउंसलिंग के आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरुआत दानिश अख़्तर द्वारा क़ुरआन की आयत की तिलावत से हुई। इसके बाद UMA के सेक्रेटरी मुजाहिद अख़्तर ने यूनाइटेड मुस्लिम ऐड की गतिविधियों और उद्देश्यों पर विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम का संचालन आगाज़ NGO के सेक्रेटरी मोहम्मद शहज़ाद ने किया। मीटिंग में सभी स्कूल्ज के ज़िम्मेदारनो ने अपने सुझाव दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता हाजी अनवर शाह साहब ने की और UMA के फाउंडर मेंबर नईमुद्दीन रब्बानी साहब ने करियर काउंसलिंग की अहमियत पर विस्तार से प्रकाश डाला। अंत में, प्रोग्राम कन्वीनर सरवर आलम ने सभी का शुक्रिया अदा किया और कार्यक्रम की व्यवस्था और आयोजन के लिए UMA के मेंबर्स, मोहम्मद इमरान, सलमान खान मोहम्मद नईम (MEEM). फ़ैयाज़ अहमद, इकराम साहब का आभार व्यक्त किया।यूनाइटेड मुस्लिम ऐड इस प्रयास के तहत शिक्षा जगत में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है और आगे भी इस प्रकार के मार्गदर्शक कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

एडवोकेट मुजाहिद नकवी ने ऑर्गन ट्रांसप्लांट गेम्स 2025 में जीता कांस्य पदक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। चंडीगढ़ (पंजाब) में आयोजित ऑर्गन ट्रांसप्लांट गेम्स 2025 में मालपुरा के मोहल्ला सादात निवासी एडवोकेट मुजाहिद नकवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सामान्य श्रेणी में कांस्य पदक जीता। मुजाहिद नकवी ने यह मेडल अपनी बहन रेहाना बानो को समर्पित किया, जिन्होंने 14 वर्ष पूर्व जयपुर में अपने भाई को गुर्दा दान किया था। इस अवसर पर उन्होंने अपनी बहन का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनकी बदौलत ही आज वे इस मुकाम तक पहुंच सके हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

हिंदू मुस्लिम और नफरत की राजनीति देश की आर्थिक विकास में कितनी बाधक है?

हिंदू-मुस्लिम और नफरत की राजनीति देश के आर्थिक विकास पर कई तरह से नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। यह एक जटिल मुद्दा है, जिसके कुछ प्रमुख पहलुओं को इस तरह समझा जा सकता है:

सामाजिक अस्थिरता: जब धार्मिक आधार पर नफरत और विभाजन बढ़ता है, तो सामाजिक तनाव और हिंसा की घटनाएं बढ़ सकती हैं। इससे निवेशकों का भरोसा कम होता है, क्योंकि वे स्थिरता और शांति को प्राथमिकता देते हैं। भारत जैसे देश में, जहां विदेशी निवेश और घरेलू उद्यमिता आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, यह एक बड़ी बाधा बन सकता है।

मानव संसाधन का नुकसान: नफरत की राजनीति से उत्पन्न तनाव और हिंसा के कारण लोग अपने मूल स्थान से पलायन कर सकते हैं। इससे कुशल श्रमिकों और पेशेवरों की कमी हो सकती है, जो उत्पादकता और नवाचार को प्रभावित करती है।

बाजार पर प्रभाव: धार्मिक आधार पर बहिष्कार या विरोध के आह्वान से स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार प्रभावित होता है। उदाहरण के लिए, किसी समुदाय विशेष के व्यवसायों को निशाना बनाया जाए, तो आपूर्ति श्रृंखला और उपभोक्ता विश्वास दोनों पर असर पड़ता है।

सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग: जब सरकार या प्रशासन का ध्यान नफरत और तनाव को नियंत्रित करने में लग जाता है, तो विकास परियोजनाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों पर कम ध्यान दिया जाता है। इससे दीर्घकालिक आर्थिक प्रगति रुक सकती है।हिंदू-मुस्लिम और नफरत की राजनीति देश के आर्थिक विकास पर कई तरह से नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। यह एक जटिल मुद्दा है, जिसके कुछ प्रमुख पहलुओं को इस तरह समझा जा सकता है:

सामाजिक अस्थिरता: जब धार्मिक आधार पर नफरत और विभाजन बढ़ता है, तो सामाजिक तनाव और हिंसा की घटनाएं बढ़ सकती हैं। इससे निवेशकों का भरोसा कम होता है, क्योंकि वे स्थिरता और शांति को प्राथमिकता देते हैं। भारत जैसे देश में, जहां विदेशी निवेश और घरेलू उद्यमिता आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, यह एक बड़ी बाधा बन सकता है।

मानव संसाधन का नुकसान: नफरत की राजनीति से उत्पन्न तनाव और हिंसा के कारण लोग अपने मूल स्थान से पलायन कर सकते हैं। इससे कुशल श्रमिकों और पेशेवरों की कमी हो सकती है, जो उत्पादकता और नवाचार को प्रभावित करती है।

बाजार पर प्रभाव: धार्मिक आधार पर बहिष्कार या विरोध के आह्वान से स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार प्रभावित होता है। उदाहरण के लिए, किसी समुदाय विशेष के व्यवसायों को निशाना बनाया जाए, तो आपूर्ति श्रृंखला और उपभोक्ता विश्वास दोनों पर असर पड़ता है।

सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग: जब सरकार या प्रशासन का ध्यान नफरत और तनाव को नियंत्रित करने में लग जाता है, तो विकास परियोजनाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों पर कम ध्यान दिया जाता है। इससे दीर्घकालिक आर्थिक प्रगति रुक सकती है।

अंतरराष्ट्रीय छवि: नफरत की राजनीति और धार्मिक असहिष्णुता की खबरें वैश्विक मंच पर देश की छवि को धूमिल करती हैं। इससे पर्यटन, व्यापार साझेदारी और विदेशी सहायता पर असर पड़ सकता है। हालांकि, यह भी सच है कि कुछ राजनीतिक दल इस तरह के विभाजन का इस्तेमाल अल्पकालिक लाभ (जैसे वोट बैंक) के लिए करते हैं, लेकिन लंबे समय में यह देश की एकता, सामाजिक पूंजी और आर्थिक संभावनाओं को कमजोर करता है। आर्थिक विकास के लिए समावेशिता, सहयोग और शांति जरूरी हैं, और नफरत की राजनीति इन मूल्यों के खिलाफ काम करती है।

लोग फतवे देते रहे और सर सैय्यद अहमद खान एएमयू बनाते रहे

27 मार्च पुण्यतिथि पर विशेष......

सर सय्यद अहमद खान की तहरीक आज भी हमारे लिए एक मार्गदर्शन का काम करती है। उनके द्वारा दिखाया गया रास्ता आज भी हमारे मसलों का समाधान कर सकता है। वे यह मानते थे कि शिक्षा ही हमारे समस्त समस्याओं का स्थायी और प्रभावी हल है। उनकी सोच थी कि एक ऐसी मुस्लिम नस्ल तैयार होनी चाहिए, जिसका एक हाथ में कुरआन हो और दूसरे हाथ में विज्ञान, ताकि समाज में समानता और विकास की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकें। सर सैय्यद अहमद खान केवल एक शख्सियत का नाम नहीं हैं, बल्कि एक विचारधारा, एक रास्ता और एक मंजिल का प्रतीक हैं। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) आज देश की शान है, और यह केवल मुसलमानों के लिए ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण देश के लिए एक अमूल्य धरोहर है। इसका लाभ मुसलमानों को तो हुआ ही है, साथ ही दुनिया भर के लोग इस विश्वविद्यालय से शिक्षित होकर समाज में योगदान दे रहे हैं।

जीवन परिचय और शिक्षा की दिशा

सर सैय्यद अहमद खान का जन्म 17 अक्टूबर 1817 को हुआ था और उनका निधन 27 मार्च 1898 को हुआ। वे भारत के एक प्रमुख शिक्षक, लेखक, समाज सुधारक और नेता थे, जिन्होंने भारत के मुसलमानों के लिए आधुनिक शिक्षा की नींव रखी। सर सैय्यद की कोशिशों से अलीगढ़ तहरीक की शुरुआत हुई, जिसमें उन बुद्धिजीवियों और नेताओं ने भाग लिया, जिन्होंने भारतीय मुसलमानों को शिक्षा से जोड़ने के लिए काम किया। सर सैय्यद अहमद खान ने उर्दू को भारतीय मुसलमानों की सामूहिक भाषा बनाने का समर्थन किया और यह सुनिश्चित किया कि उर्दू का माध्यम सभी मुसलमानों को आपस में जोड़ने के लिए कारगर हो। उस समय कुछ लोग यह मानते थे कि मुसलमान आधुनिक शिक्षा को अपनाने में संकोच करते हैं, लेकिन सर सैय्यद ने इस सोच को चुनौती दी और मुसलमानों को आधुनिक शिक्षा की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की स्थापना की, जो आज भी शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा नाम है।

यूनिवर्सिटी की स्थापना और प्रेरणा

उनका योगदान केवल विश्वविद्यालय की स्थापना तक सीमित नहीं था। असल में उनका सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने मुसलमानों को विज्ञान और तकनीकी शिक्षा की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सर सैय्यद ने इंग्लैंड यात्रा के दौरान ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालयों का दौरा किया और वहां की शिक्षा व्यवस्था को समझकर भारतीय संदर्भ में उसे लागू किया। इस दौरान उन्होंने जो कॉलेज का मॉडल तैयार किया, वह आज भी भारतीय शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से कई महत्वपूर्ण नेता और विद्वान शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं। इनमें भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन और पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान शामिल हैं।

सर सैय्यद के विचार और उनकी शिक्षा न केवल मुसलमानों के लिए बल्कि पूरे भारतीय समाज के लिए एक आदर्श बने। उनका यह मानना था कि यदि मुस्लिम समाज को आगे बढ़ना है तो उन्हें आधुनिक शिक्षा को अपनाना होगा और अपने समाज की जड़ों को मज़बूत करना होगा। सर सैय्यद अहमद खान एक महान समाज सुधारक थे। उन्होंने यह महसूस किया था कि बिना आधुनिक शिक्षा के मुसलमान समाज के बड़े हिस्से से कटकर रह जाएंगे और बाकी समाज से बहुत पीछे चले जाएंगे।

उन्होंने समाज में व्याप्त अंधविश्वास और धर्म के नाम पर हो रहे उत्पीड़न को चुनौती दी। उनका मानना था कि शिक्षा के बिना कोई भी समाज तरक्की नहीं कर सकता। सर सैय्यद ने हमेशा ग़रीब और पिछड़े वर्ग के लोगों को जागरूक करने के लिए शिक्षा को एक सशक्त माध्यम माना।

लेखन और विचारधारा

सर सैय्यद एक अत्यंत समृद्ध लेखक भी थे। उन्होंने 100 से भी ज्यादा किताबें लिखीं, जिनमें 'हयात-ए-जावेद', 'तहज़ीब-उल-अख़्लाक', 'मक़ालात-ए-सर सैयद', 'आसार-उस-सनादीद', 'महफिल-ए-सनम' और 'असबाब-ए-बग़ावत-ए-हिंद' जैसी महत्वपूर्ण रचनाएँ शामिल हैं। 'असबाब-ए-बग़ावत-ए-हिंद' में उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के कारणों का विश्लेषण किया और अंग्रेज़ी शासन की नीतियों की आलोचना की। यह किताब उस समय की सबसे चर्चित रचनाओं में से एक थी और आज भी इसे उनकी सबसे महत्वपूर्ण कृति माना जाता है।

अपने जीवन के अंतिम वर्षों में भी सर सैय्यद ने शिक्षा के क्षेत्र में काम करना जारी रखा। 27 मार्च 1898 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी कृतियाँ और विचार आज भी जीवित हैं। सर सैय्यद को एक महान शिक्षक, समाज सुधारक, दार्शनिक और लेखक के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। उनकी शिक्षाओं और कार्यों ने भारतीय मुसलमानों के लिए एक नई दिशा दिखलाई और उन्होंने हमेशा अपने समाज को समृद्ध और जागरूक बनाने का प्रयास किया।

दुआ की कुबुलियत...

दुआ की कुबुलियत के लिए नमाज की पबंदी और अकीदे की दुरुस्तगी जरूरी है। अल्लाह तआला का कुर्ब दुआ करने से हासिल होता है। दुआओ से तकदीरें बदल जाती है और अल्लाह तआला इसांन को एक मुकाम से दूसरे मुकाम तक पहुंचा देता है। दुआ मोमीन का हथियार है और शैतान से बचाता है। दुआ इबादत की जान है और खुदा से मुलाकात का जरीया है। दुआ करने के लिए आगे पीछे दुरूद पढ़ना लाजिमी है। यह एक ऐसी इबादत है जो समुद्री तूफानो को रोक देती है और दरियाओ के रूख को मोड़ देती है। दुआ बदंगी जो बकशीश के दरवाजे खोल देती है। और मुआफी का क्लम फैर देती है खुशु व खुजु अजीज व इन्केसारी और खुलुस के साथ मॉगी हुई दुआ कभी बारगाह इलाही से रद्द नही की जाती। हदीसं में है के दुआ के अलावा सदका भी बुराई के 70 दरवाजे बंद कर देता है। सदका कबर की गरमी को दूर करता है और तकब्बुर और फकीरी को हटा देता है। अल्लाह तआला इसकी आमदनी में खैर व बरकत अता करता है। अल्लाह की जात व सिफात में किसी को मिलाना शिर्क कहलाता है। हर मुराद पूरी करने वाला वह वहादाहुला शरीक कलाहु है। इसलिए सिर्फ अल्लाह तआला से ही मांगो मगर सच्चे अकीदे के साथ क्योंकि यही सच्चे मोमीन की निशानी है।

शिर्क इसांन के अमाल को र्बबाद कर देता है चाहे वह कितना ही नेक इबादत गुजार या तहजुद गुजार ही क्यो ना हो। मुशरीक की जुबान सेनिकली हुई बात की कोई तासीर नही रखती। जब इसांन अपने अमाल में शिर्क को जगह देकर सीधी राह और इस्तेकामात से हट जाते है तो वह अल्लाह तआला की तरफ से किसी मदद और सहारे के मुस्तहिक नही रहते और अल्लाह तआला की नजर ऐ इनायत से मेहरूम रहते है। लिहाजा हमें अपने दामन को शिर्क के काटो से हमेशा दुर रखना चाहिए। गैर अल्लाह को पुकारना गुमराही का सबब है नेकी का बदला नेकी से देना अखलाक हसना की बेहतरीन मिसाल है। सब्र करना दिल की हिदायत और रोशनी का जरिया बनता है।

जो शख्स अल्लाह तआला का वास्ता देकर पनाह तलब करता है तो इसको पनाह दी जाती है। आज कल लोग जहालत की तरफ तेजी से बढ़ कर अपनी अमली जिन्दगी में शिर्क को जगह देकर अपने इमान की रोशनी को गुल कर रहे है। अल्लाह तआला के साथ दूसरो कों शिर्क करके अपने अमाल में गिलाजत के अनबर लगा रहे है। अल्लाह तआला की तरफ निगाह रखो वह तुम्हें भी अपनी निगाह में रखेगा। अगर तुम इसे अपनी निगाह में रखोगे तो इसे अपने सामने पाएंगें जब भी तुम कुछ मांगो अपने अल्लाह ही से मांगो और यकीन कर लो के अगर दुनिया में सब लोग जमा हो कर तुम्हें कुछ नफहा या नुकसान पहुंचाना चाहे तो हरगीज नही पहुचा सकते। अल्लाह के सिवा हर इला और हर मौला बालिक है हम को यह जैब नही देता के गुलाम किसी और के हो और हुकुम किसी और का माने। बंदे किसी और के हो और बदंगी किसी और की करें। खाऐ किसी और का और गुन किसी और के गाऐ। जो खुद हम जैसी मखलूक हो वह हमें क्या दे सकता है और दुख में मदद करने वाला और कुवत वाला वह अकेला जबरदस्त है। जो शख्स खुदा से नही डरता वह लोगो के गेज गजब का निशाना बन पाता है। और खुद को बेबस मजबूर पाता है। जिस पर नसीहत असर नही करे इसका दिल इमान से खाली है। जो शख्स तकदीर पर इमान नही रखता वह इमान के मजे से बिल्कुल मेहरूम है। तुम में बेहतरीन वो लोग है जिन को देख कर अल्लाह तआला की याद ताजा होती है। इनके नेक अमाल को देख कर अपने लिऐ आखिरत की रूगबद पैदा करे। हर मांगी दुआ में यकीन का होना लाजमी है क्योकि अल्लाह कोई अमलऔर आपकी आँखों से निकला आसु जाये नही करता है। दिल से यकीन करे के हमने जो मांगा के वह अल्लाह जरूर देगा इंसान का यकीन ऐसा हो जैसे समुद्र में खड़े है और अल्लाह रास्ता निकालेगा। बस नियत पुखता रखे क्योकि अल्लाह नियत पर फैसला करता है और कुन फ्याकुन का नजारा दिखाता है। इसलिए कभी मायुस नही होना चाहिए अल्लाह की जात से क्योकि अल्लाह यकीन करने वालो से मुहब्बत करता है और अल्लाह फरमाता है मेरे से मांगों में तुम्हे दूंगा यह मेरा वादा है लेकिन अल्लाह इंसान को आजमाता है उसकी सबसे महबूब चीज से और सब्र दुआ के जरियें इसांन को उसकी मंजिल तक पहुंचाता है। अगर इंसान को उसकी मंजिल मिलने में वक्त लग रहा है तो यकीन करे अल्लाह कुछ इस तरह की परेशानी देता है जिसे देखकर इसांन को लगता है के उसकी मंजिल मिलना मुश्किल ही नही बल्के ना मुमकिन है लेकिन इंसान भुल जाता है के अल्लाह के लिए कुछ भी ना मुमकिन नही है। अल्लाह सिर्फ इंसान का पुख्ता इरादा और नियत देखता है इसलिए नमाज सब्र के जरिये अल्लाह से मदद मांगें और यकीन करे वह जरूर देगा। मेरा यकीन यह है के अगर कोई मेरे से यह कहे के जमीन आसमान अपनी जगह से हिल गए है तो में यकीन कर लूगा लेकिन कोई यह कहे कि अल्लाह से मैने मांगा और उसने नही दिया तो में यकीन नही करूंगा। यही कहूगा यह हो नही सकता क्योकि अल्लाह से मांगो वह जरूर देगा।

शब ए क़द्र क्या चीज है? जो अल्लाह के करीब ले जाती है

जयपुर शहर के तैराक व समाज सेवक अब्दुल माजिद शेख ने बताया कि यह रात सबसे मुबारक रातों में गिनी जाती है, जो एक साल में एक बार रमज़ान के महीने में आखरी अशरे की पांच रातों में से एक रात होती है। जो 21, 23, 25, 27 एवं 29 इन पांच रातों में जागकर अल्लाह की इबादत करते हैं। इस रात को शब ए क़द्र की रात इसलिए कहते हैं की क़द्र की मअनी महत्वपूर्ण के हैं क्योंकी यह रात बड़ी ऊँची मरतबे वाली है या इन वजह से शब ए क़द्र कहतें हैं कि बंदे के गुनाहों के सबब उसकी कोई क़द्र व कीमत नहीं थी। इस मुकद्दस रात में वह तौबा और कुरआन करीम की तिलावत व इबादत के जरिये वह मरतबे वाला बन जाता है। क्योंकि इस मुबारक रात में तमाम इन्सानों की साल भर की किस्मत, हिसाब-किताब से निकाल कर के फरिश्तों के हवाले किया जाता है। क्यूंकी इस रात में फरिश्तों के कसरत से उतरने से पूरी रूह ए जमीन का हर हिस्सा तंग हो जाता है। इसलिए इस रात को शब ए क़द्र की रात कहते हैं, जो कि यह रात बहुत बड़ी खैर व बरकत वाली रात है। इस रात की अलग-अलग खूबियां बयान की गई है, कहीं पर मुबारक रात कहीं बरकत वाली रात से याद किया गया है। इस रात में हर मामले का हक ओ ईमाना फैसला किया जाता है। तो कहीं पर तिरासी बरस की इबादत से बेहतर बताई गई, तो कहीं पर फरिश्तों के आमद की रात बताई गई है, तो कहीं बख्शीश की रात बताई गई है। अल्लाह तआला ने इस रात की बढ़ाई और खुसूसियत कुरआन में इस प्रकार बयान की है "कसम है इस कुरआन ए करीम की, बेशक मैंने इसको बड़ी खैर व बरकत वाली रात में उतारा है। इस रात में हर चीज का फैसला मेरे हुक्म से किया जाता है। यकीनन में पैगम्बरों को भेजता हूँ, अपनी रहमत के तौर पर।" दूसरी जगह अल्लाह तआला ने फरमाया "बेशक मैने कुरआने करीम को क़द्र की रात में उतारा है ऐ पैगम्बर आपको क्या मालूम की शब ए क़द्र क्या चीज है।" शब ए क़द्र की रात हजार महिनों से बेहतर है, इस रात में फरिश्तें जिबराईल अपने मालिक के हुक्म से हर काम के लिए उत्तरते हैं। यह रात तुलु ए फजर यानि सुबह सवेरे तक सरासर सलामती की है। हजरत आईशा रजि. फरमाती हैं कि की जब रमजानुल मुबारक के आखरी दस दिन यानि आखरी अशरा आता है तो मोहम्मद साहब (स. अ.) पूरी रात जागते और अपने अहल व अयाल को बेदार रखते यानि तिलावत व इबादत जिक्र व दुआ में मशगूल हो जाते। शेख ने कहा हम सबको चाहिए कि इस रात की क़द्र करें और रात को जागकर अल्लाह की इबादत करें। यह रात जिसको नसीब हो जाती है अल्लाह उसके अगले पिछले सभी गुनाह माफ कर देता है।

अब्दुल माजिद शेख
(तैराक व समाज सेवक)
सी-26, सूरज कॉलोनी, बेनीवाल कांटा, रामगढ़ मोड़, जयपुर

शहीद प्रोफेसर अब्दुल बारी जंगे आजादी के कद्दावर नेता व महान मजदूर नेता

प्रोफेसर अब्दुल बारी 1892 को बिहार के भोजपुर जिले के शाहाबाद गांव में पैदा हुए हैं। उनके वालिद का नाम मोहम्मद कुर्बान अली था। उन्होंने अपनी शिक्षा पटना यूनिवर्सिटी से प्राप्त की। 1917 में महात्मा गांधी के संपर्क में आए तथा उनके विचारों से प्रभावित हुए। 1920-1922 में हुए खिलाफत और असहयोग आंदोलन के समय राजेंद्र प्रसाद, श्री कृष्ण सिंह, अनुग्रह नारायण सिंह के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बिहार में इंकलाब ला दिया। 1921 में बिहार विद्यापीठ का उद्घाटन महात्मा गांधी ने किया जिसमें वह प्रोफेसर की हैसियत से शामिल हुए तथा अध्यापन करवाने लगे। 1930 में अब्दुल बारी ने भागलपुर में सत्याग्रह छेड़ा।

1942 में आजादी का आंदोलन बिहार उड़ीसा बंगाल के मजदूरों के आंदोलन को और अधिक प्रभावी बनाया नेताजी सुभाष चंद्र बोस जो उस वक्त जमशेदपुर लेबर एसोसिएशन के अध्यक्ष थे के कहने पर जमशेदपुर लेबर एसोसिएशन की कयादत की। इसके बाद बंगाल, उड़ीसा में मजदूर आंदोलन को एक बड़ी पहचान दी और पूरे इलाके में इंकलाब ला दिया। 28 मार्च 1947 को खुसरूपुर (फतुहा) के पास प्रोफेसर अब्दुल बारी को शहीद कर दिया गया।

इनकी सामाजिक और सियासी पहुंच का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इनकी नमाज़े जनाज़ा में महात्मा गांधी जैसे कद्दावर नेता शामिल हुए थे।

बच्चों की परवरिश में पिता का अहम किरदार

बच्चों की परवरिश में पिता का अहम किरदार बच्चे की परवरिश एक बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी होती है, जो उसके अच्छे या बुरे भविष्य की बुनियाद रखती है। यह सिर्फ एक रस्मी फ़र्ज़ नहीं बल्कि एक मुक़द्दस जिम्मेदारी है, जिसमें अच्छे अख़लाक, समाजी और दीन के उसूलों की बुनियाद डाली जाती है। इस सफ़र में माँ की गोद बच्चे के लिए सबसे बड़ा सुकून होता है, जबकि बाप एक मज़बूत सहारा बनता है, जो बच्चे को हौसला, खुद ऐतमादी (आत्मविश्वास) और सही फैसले करने की सलाहियत देता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि बाप का रवैया और उसके जीने का अंदाज़ बच्चों की सोच और आदतों पर गहरा असर डालता है। मशहूर बाल मनोवैज्ञानिक प्रोफ़ेसर जमीर बी. वासन कहते हैं, "बाप सिर्फ घर का एक सदस्य नहीं होता, बल्कि बच्चों के लिए एक मिसाल होता है, जो उन्हें ज़िंदगी की मुश्किलों से निपटना सिखाता है।" एक तजुर्बे में पाया गया कि जिन बच्चों को अपने बाप का ज्यादा साथ मिला, उनका आई क्यू ज्यादा था, वे अपने करियर और समाज में बेहतर मुक़ाम हासिल कर पाए। ब्रिटेन में 11000 से ज्यादा लोगों पर की गई एक तहकीक (शोध) में देखा गया कि जिन बच्चों के बाप उनके साथ ज्यादा वक़्त बिताते हैं, वे ज़्यादा कामयाब और खुशहाल होते हैं। बाप का दीन और अख़लाकी परवरिश में किरदार बाप अपने अमल (कर्म) और बातों से बच्चों को सिखाता है कि ज़िंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे किया जाए और जिम्मेदारियों को कैसे निभाया जाए। बच्चे वही सीखते हैं, जो वे अपने बाप को करते हुए देखते हैं। अगर बाप बच्चों की तालीम (शिक्षा) में रुचि ले, तो वे ज्यादा मेहनती और क़ामयाब होते हैं। बच्चों की अख़लाकी (नैतिक) परवरिश उनके किरदार को निखारती है। बाप को चाहिए कि वह बच्चों को सच बोलना, सब्र करना और दूसरों की मदद करना सिखाए। इस्लाम और दूसरे मज़ाहिब (धर्म) में भी बाप की ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया गया है। बच्चों को नमाज़, कुरआन की तिलावत और नबी करीम (सल्ल.) की सीरत से सीखना चाहिए। अगर बाप खुद अच्छे आमाल (कर्म) करे, तो बच्चे भी दीन की तरफ़ रुझान रखते हैं। आज के दौर में बाप की ज़िम्मेदारी आज की टेक्नोलॉजी और सोशल मीडिया के दौर में बच्चों की परवरिश में बहुत से नए चैलेंज सामने आ रहे हैं। बाप की सिर्फ यही जिम्मेदारी नहीं कि वह बच्चों की माली (आर्थिक) ज़रूरतें पूरी करे, बल्कि उन्हें सही और ग़लत का फ़र्क भी सिखाए। अगर बाप बच्चों की ज़िंदगी में एक सक्रीय (Active) किरदार निभाए, तो बच्चे ज़्यादा समझदार और खुद ऐतमाद होते हैं। तहकीक (शोध) बताती है कि जिन बच्चों को अपने बाप का भरपूर वक़्त मिलता है, वे ज़िंदगी में ज़्यादा ख़ुश और क़ामयाब होते हैं।

एक सबक़ देने वाली कहानी राशिद एक स्कूल का बच्चा था, जो हर शाम अपने दोस्तों के साथ बेफज़ूल (बिना मकसद) वक़्त गुज़ारने लगा। उसके बाप हमेशा अपने काम में मसरूफ़ रहते थे और उसके पास बैठकर बात करने का वक़्त नहीं निकालते थे। धीरे-धीरे राशिद को घर से बाहर ज़्यादा अच्छा लगने लगा और उसकी सोहबत (संगत) बिगड़ गई। एक दिन उसके दोस्तों ने उसे एक ग़लत काम में शामिल कर लिया और मामला पुलिस तक जा पहुंचा। जब राशिद के बाप को इस बात का पता चला, तो वे घबराकर थाना पहुंचे। उस दिन पहली बार राशिद ने अपने बाप की तरफ़ ऐसा देखा, जैसे कह रहा हो, "अगर आपने मुझे थोड़ा वक़्त दिया होता, तो शायद मैं इस हाल में न होता।" उस दिन राशिद के बाप को एहसास हुआ कि उनकी मसरूफ़ियत (व्यस्तता) ने उनके बेटे को ग़लत रास्ते पर डाल दिया है। उन्होंने फैसला किया कि अब वे अपने बेटे को वक़्त देंगे, उसकी बातें सुनेंगे और उसके सबसे अच्छे दोस्त बनेंगे। धीरे-धीरे राशिद बदल गया, उसकी पढ़ाई में दिलचस्पी बढ़ी और वह अपने माँ-बाप के क़रीब आ गया।

बच्चों की परवरिश एक जारी (चलने वाली) प्रक्रिया है और बाप इसमें सबसे अहम किरदार अदा करता है। चाहे वह दीन की तालीम हो, अख़लाकी आदाब (नैतिकता) हो, या दुनिया की तालीम—बाप की ज़िम्मेदारी है कि वह अपने अमल, बातों और मोहब्बत से बच्चों की ज़िंदगी सँवारे। अगर बाप अपने बच्चों को सही वक़्त और तवज्जो (ध्यान) नहीं देता, तो बच्चे सही रास्ते से भटक सकते हैं। एक अच्छा बाप सिर्फ अपने बच्चों को नहीं संवारता, बल्कि पूरे समाज को अच्छे इंसान देता है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

कड़कनाथ मुर्गे का मीट और अंडे क्यूँ अधिक पसंद किए जाते हैं?

कड़कनाथ मुर्गा-मुर्गी की प्रजाति मुख्यतः पश्चिमी मध्य प्रदेश के झाबुआ ,अलिराजपुरऔर धार जिलों में पायी जाती है। कड़कनाथ मुर्गी को काली मासी (काले मांस वाला मुर्गा) के नाम से भी जाना जाता है। यह मध्य भारत में पाया जाने वाला एक प्रकार की मुर्गा ,मुर्गी प्रजाति है। दशकों पहले कड़कनाथ को एमपी के झाबुआ और छत्तीसगढ़ के बस्तर में रहने वाले आदिवासी पालते थे। वो इसे काफी पवित्र मानते थे। दीवाली के बाद देवी के सामने कड़कनाथ की बलि देकर खाने का रिवाज रहा है। कड़कनाथ मुर्गा मुर्गी मांस पर भौगोलिक संकेत (जीआई टैग) टैग है, जिसे 30 जुलाई 2018 को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया था। कड़कनाथ नस्ल इंडोनेशिया में भी पाई जाती है। स्थानीय लोग इस मुर्गे को इंडोनेशिया में "अयाम सेमानी" कहते हैं चीन में पाए जाने वाले इस प्रजाति के मुर्गों को सिल्की कहते हैं।

कड़कनाथ मुर्गा के तीन प्रकार हैं :-

1 जेड ब्लैक
2 गोल्डन ब्लैक
3 पेन्सिल ब्लैक

इस मुर्गे का शरीर, मांस, पैर, नाखून, नाक, पूंछ, आंतरिक परत, जीभ का रंग भी काला होता है। यह मुर्गा मांस वसा में कम और पोषक तत्वों में उच्च है। बाजार में इस मुर्गी मीट की मांग ज्यादा है। इस मुर्गी मांस की कीमत नियमित ब्रोइलर मुर्गी की कीमत से लगभग 3-4 गुना अधिक है। अन्य मुर्गी नस्लों में वसा की मात्रा 13-25% तक होती है, लेकिन कड़कनाथ चिकन मांस में वसा की मात्रा केवल 0.73-1.03% तक ही होती है।

शरीर में मेलेनिन का स्तर अधिक होने के कारण इस चिकन का रंग काला होता है। मुर्गी का वजन लगभग 1.2-1.5 किलोग्राम (2.6-3.3 पाउंड) होता है। कड़कनाथ मुर्गियों के अंडे थोड़े गुलाबी और भूरे रंग के होते हैं। 6-7 महीने में मुर्गी का वजन – 1.5 किलो हो जाता है और पूर्ण विकास - 180 दिन में होता है। प्रति मुर्गी वार्षिक उत्पादन - 105 अण्डे होता है और 40 दिनों में अंडे का वजन - 49 ग्राम तक प्राप्त होता है। इस प्रजाति की प्रजनन क्षमता - 55% तक ही रहती है। कड़कनाथ जाति के मुर्गा मुर्गी के गुण अन्य प्रजाति के मुर्गा मुर्गी की अपेक्षा इनमें प्रोटीन की मात्रा 25% तक रहती है और वसा की मात्रा 0.73 -1.035% तक ही रहती है।

कड़कनाथ मुर्गे के कई फ़ायदे हैं:

दिल के लिए फ़ायदेमंद:
कड़कनाथ मुर्गे के मांस में कोलेस्ट्रॉल कम होता है और फैट भी कम होता है। इसलिए यह दिल के मरीज़ों के लिए फ़ायदेमंद होता है।

पाचन के लिए फ़ायदेमंद:
कड़कनाथ मुर्गे का मांस आसानी से पच जाता है।

खून बढ़ाने में फ़ायदेमंद:
कड़कनाथ मुर्गे में आयरन की मात्रा ज़्यादा होती है, जिससे खून बढ़ता है।

आंखों के लिए फ़ायदेमंद:
कड़कनाथ मुर्गे में विटामिन ए की मात्रा ज़्यादा होती है, जिससे आंखों की रोशनी बढ़ती है।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में फ़ायदेमंद:
कड़कनाथ मुर्गे के मांस में बायोएक्टिव यौगिक होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं।

मधुमेह के लिए फ़ायदेमंद:
कड़कनाथ मुर्गे में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिससे यह मधुमेह रोगियों के लिए अच्छा भोजन विकल्प बन जाता है।

नर्वस डिसऑर्डर के लिए फ़ायदेमंद:
कड़कनाथ मुर्गे का मांस औषधि के रूप में नर्वस डिसऑर्डर को ठीक करने में भी काम आता है। कड़कनाथ मुर्गे में विटामिन बी-1, बी-2, बी-6, बी-12, सी और ई की मात्रा भी ज़्यादा पाई जाती है। यह दुर्लभ नस्ल होने के कारण काफ़ी महंगा होता है।

सामान्य मुर्गी के मांस में 18-20% पोषक तत्व होते हैं जबकि कड़कनाथ मुर्गी के मांस में 25% से अधिक पोषक तत्व होते हैं। शोध से पता चला है कि अन्य पोल्ट्री प्रजातियों में वसा प्रतिशत 13-25% तक होता है, जबकि कड़कनाथ मुर्गियों में वसा प्रतिशत केवल 0.73-1.03% होता है। कड़कनाथमांस 18 प्रकार के अमीनो एसिड से भरपूर होता है, जिनमें से 8 अमीनो एसिड मानव शरीर के लिए बहुत अच्छे होते हैं। कड़कनाथ मांस में कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं जैसे विटामिन बी 1, बी 2, बी 6, बी 12, सी, ई, नियासिन, पोषक तत्व, लोहा, कैल्शियम, फास्फोरस, निकोटिनिक एसिड, आदि। इसका मांस खाने से हीमोग्लोबिन बढ़ता है और न्यूरोलॉजिकल बीमारियां कम होती हैं। आदिम जनजाति मस्तिष्क और तंत्रिका रोगों को ठीक करने के लिए कड़कनाथ मुर्गे के रक्त से बनी दवा पीते हैं। कड़कनाथ मुर्गी मेलेनिन ब्लैक पिगमेंट दिल में रक्त के प्रवाह को बढ़ाता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, न्यूरोपैथी, स्ट्रोक, ब्लड क्लॉटिंग आदि बीमारियां कम हो जाती हैं। इसका उपयोग होम्योपैथिक दवाओं में भी किया जाता है। जैसा नाम से ही स्पष्ट हैं इनका मांस खाने मे कड़क, कुरकुरा और स्वादिष्ट होता हैं, दूसरा इसमें वसा का प्रतिशत ना के बराबर होता हैं तथा प्रोटीन की क्वालिटी सामान्य मुर्गे से अच्छी और ज्यादा होती हैं। सामान्य मुर्गे के मुकाबले कड़कनाथ की कीमत काफी ज्यादा होती है। बाजार में इसकी कीमत 900 रुपये से लेकर 1500 रुपये प्रति किलो तक है। मुर्गे का वजन लगभग 1.8 से लेकर 2 किलोग्राम तक होता है।

फ़ज़लुर्रहमान :- सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)
मो. नं. :-9828668877

क्यों 786 को माना जाता है इतना पवित्र?

इस्लाम धर्म में क्या है इसके पीछे का रहस्य? भारत में क्या है इसके मायने?

786 को इस्लाम धर्म में पवित्र और शुभ माना जाता है और इसका उपयोग अल्लाह के नाम की पूजा के संदर्भ में किया जाता है। हालांकि, इस अंक को लेकर अलग-अलग मत और राय मौजूद हैं और कई धार्मिक विद्वान इसे संक्षेप में प्रयोग करने के खिलाफ हैं।

इस्लाम धर्म में अंक 786 का विशेष महत्व है। मुस्लिम समुदाय के बीच इसे एक पवित्र और शुभ संख्या माना जाता है और कई लोग इस अंक का उपयोग अल्लाह के नाम के स्थान पर करते हैं। लेकिन, यह अंक वास्तव में कैसे पवित्र हुआ और क्यों इसे इस्लाम में इतना सम्मान दिया जाता है, यह सवाल अक्सर लोगों के मन में आता है। इस आर्टिकल में हम 786 के महत्व और इसके पीछे छिपे कारणों को समझने की कोशिश करेंगे। इस अंक का उपयोग एक दयालु और रहमदिल अल्लाह के नाम का सम्मान करने के लिए किया जाता है, जो मुस्लिम समुदाय के लिए अत्यंत पवित्र है।

786 का मतलब और उसकी पवित्रता

इसे समझने के लिए हमें पहले इस्लामिक शब्दों की ओर देखना होगा. मुस्लिमों द्वारा प्रयुक्त 'बिस्मिल्लाह अल रहमान अल रहीम' एक महत्वपूर्ण वाक्य है, जिसका अर्थ है "अल्लाह के नाम से, जो सबसे दयालु और सबसे रहमदिल है।" इस वाक्य के कुल अरबी अक्षरों की संख्या 786 होती है। इस प्रकार, यह संख्या 786 अल्लाह के नाम का प्रतीक बन गई। इसलिए, कई मुस्लिम लोग इस वाक्य को संक्षेप में 786 के रूप में इस्तेमाल करते हैं यह संख्या इस्लाम में शुभ मानी जाती है और विशेष अवसरों, जैसे शादी के निमंत्रण कार्ड, धार्मिक आयोजन और अन्य शुभ अवसरों पर इसे लिखा जाता है।

अलग-अलग विचार और राय

हालांकि, इस अंक को लेकर इस्लाम के विद्वानों के बीच मतभेद हैं। कुछ इस अंक के उपयोग को सही मानते हैं, जबकि अन्य इसे सुन्नत के खिलाफ मानते हैं। उदाहरण के लिए, भारत के एक प्रमुख इस्लामिक विद्वान ए.एम. कासमी ने अपने यूट्यूब चैनल पर 786 के बारे में अपनी राय जाहिर करते हुए कहा कि बिस्मिल्लाह अल रहमान अल रहीम के स्थान पर 786 का उपयोग करना उचित नहीं है। उनके अनुसार, यह अंक अल्लाह के वास्तविक नाम का सही सम्मान नहीं करता है। उन्होंने यह भी कहा कि 786 का बिस्मिल्लाह अल रहमान अल रहीम से कोई सीधा संबंध नहीं है, और इसे केवल एक सांस्कृतिक या स्थानीय प्रथा माना जाना चाहिए।

वहीं, पाकिस्तान के मुफ्ती तारीक मसूद का मानना है कि 786 का उपयोग गुनाह नहीं है, लेकिन यह सुन्नत के खिलाफ है। उनका कहना है कि जब हम अल्लाह का नाम लेते हैं तो हमें पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ उस नाम का उच्चारण करना चाहिए, न कि संक्षेप में उनके अनुसार, 786 का इस्तेमाल केवल एक आदत बन गई है और इसे कंजूसी के कारण किया जाता है, जबकि पूरी इज़्ज़त के साथ अल्लाह के नाम का उच्चारण करना चाहिए।

भारत में 786 का धार्मिक महत्व

भारत में 786 को एक पवित्र और शुभ अंक के रूप में देखा जाता है। यहां के मुसलमानों के लिए यह अंक किसी भी नए कार्य की शुरुआत से पहले खास महत्व रखता है। इसे बिस्मिल्लाह अल रहमान अल रहीम का प्रतीक माना जाता है और इसकी उपस्थिति धार्मिक आयोजनों, दस्तावेजों और यहां तक कि व्यक्तिगत पत्रों में भी देखी जाती है। कुछ लोग तो इस अंक को अपने घरों और दुकानों पर भी लिखते हैं, ताकि उन्हें अल्लाह की दया और कृपा मिले। इसका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व समय के साथ बढ़ा है। यह अंक इस्लाम धर्म में एक तरह से आस्था और विश्वास का प्रतीक बन गया है। भारतीय मुस्लिम समुदाय में 786 का प्रयोग विशेष रूप से धार्मिक आयोजनों और खुशियों के अवसरों पर देखने को मिलता है, क्योंकि इसे शुभ और पवित्र माना जाता है।

चौथी किस्त.......

इस्लाम में फ़र्ज़ है रोज़ा

यही वजह है कि अल्लाह ने कुरआन में रोज़े का हुक्म देने के बाद फरमाया-तुम पर रोज़ा फर्ज़ किया जाता है, शायद कि मुत्तकी और परहेज़गार बन जाओ। यह नहीं फरमाया कि इससे ज़रूर मुत्तकी और परहेज़गार बन जाओगे। इसलिए कि रोज़े का यह नतीजा तो आदमी की समझ-बूझ और उसके इरादे पर मौकूफ है। जो इसके मक़सद को समझेगा और उसके ज़रिए से असल मक़् सद को हासिल करने की कोशिश करेगा, वह थोड़ा या बहुत मुत्तकी बन जायेगा, मगर जो मक़सद ही कोन समझेगा और उसे हासिल करने की कोशिश न करेगा उसे कोई फायदा हासिल होने की उम्मीद नहीं। नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मुखतलिफ तरीकों से रोज़े के असल मकसद की तरफ ध्यान दिलाया है और यह समझाया है कि मकसद से गाफ़िल होकर भूखा-प्यासा रहना कुछ मुफीद नहीं। जैसा कि फरमाया-जब किसी ने झूठ बोलना और झूठ पर अमल करना ही न छोड़ा तो उसका खाना और पीना छुड़ा देने की अल्लाह को कोई हाजत नहीं। दूसरी हदीस मे है कि प्यारे नबी सल्ल. ने फरमाया-बहुत से रोज़ेदार ऐसे हैं कि रोज़े से भूख-प्यास के सिवा उनके पल्ले कुछ नहीं पड़ता और बहुत से रातों के खड़े होने वाले ऐसे हैं कि इस कियाम के रातजगे के सिवाय उनके पल्ले कुछ नहीं पड़ता। इन दोनों हदीसों का मतलब बिल्कुल साफ है। इनसे साफ तौर पर मालूम होता है कि सिर्फ भूखा और प्यासा रहना इबादत नहीं है, बल्कि असल इबादत का ज़रिया है और असल इबादत है खुदा की मुहब्बत की वजह से हर उस काम के लिए शौक से लपकना जिसमें महबूब की खुशनूदी हो और जहां तक मुम्किन हो नफसानियत से बचना। इस इबादत से जो आदमी गाफ़िल रहा उसने बेकार ही अपने पेट को भूख और पयास की तकलीफ दी। अल्लाह तआला को इसकी ज़रूरत कब थी कि बारह-चौदह घंटों के लिए उससे खाना-पीना छुड़ा देता। रोज़े के असल मक़सद की ओर प्यारे नबी सल्ल. इस तरह ध्यान दिलाते हैं कि- जिसने रोज़ा रखा, ईमान और एहतिसाब के साथ, उसके तमाम पिछले गुनाह माफ कर दिए गए। ईमान का मतलब यह है कि खुदा के बारे में एक मुसलमान का जो अकीदा होना चाहिये, वही अकीदा दिमाग में पूरी तरह ताज़ा रहे और एहतिसाब का मतलब यह है कि आदमी हर वक़्त अपने ख्य़ालों और अपने कामों पर नज़र रखें कि कहीं वह अल्लाह की मरज़ी के खिलाफ तो नहीं चल रहा है। इन दोनों चीज़ों के साथ जो आदमी रमज़ान के पूरे रोज़े रख लेगा वह पिछले गुनाह बख़्शवा ले जायेगा। इसलिए कि अगर वह कभी सरकश व नाफरमान बंदा था भी तो अब उसने अपने मालिक की तरफ रूजू कर लिया जैसा कि नबी सल्ल. ने फरमाया कि- गुनाह से तौबा करने वाला ऐसा है कि जैसे उसने गुनाह किया ही ना था। दूसरी हदीस में आया है- रोज़ा ढाल की तरह है (कि जिस तरह ढाल दुश्मन के वार से बचाने के लिए है, उसी तरह रोज़ा भी शैतान के वार से बचने के लिए है) इसीलिए जब कोई आदमी रोज़े से हो तो उसे चाहिए (कि इस ढाल के इस्तेमाल करे और) दंगे-फसाद से परहेज़ करे। अगर कोई आदमी उसको गाली दे या उससे लड़ेतो उसको कह देना चाहिए कि भाई! मैं रोज़े से हूं, मुझ से यह उम्मीद न रखों कि तुम्हारे इस मामले में हिस्सा लूंगा। दूसरा हदीसों में हुज़ूर सल्ल. ने बताया है कि रोज़े की हालत में आदमी को ज्य़्य़ादा नेक काम करने चाहिये और हर भलाई का शौकीन बन जाना चाहिये। खासकर उस हालत में उसके अनदर अपने दूसरे भाइयों की हमदर्दी का जज़्बा तो पूरी शिद्दत के साथ पैदा हो जाना चहिए, क्योंकि वह ख़ुद भूख- प्यास की तकलीफ में मुब्तिला होकर ज्य़्य़ादा अच्छी तरह महसूस कर सकता है कि दूसरे खुदा के बन्दों पर गरीबी और मुसीबत में क्या गुज़रती है। हज़रत इब्ने अब्बास(रजि.)की रिवायत है कि खुद हज़रत मुहम्मद सल्ल. रमज़ान में आम दिनों से ज्य़्य़ादा मेहरबान और शफीक हो जाते थे। कोई मांगने वाला उस ज़माने में हुज़ूर सल्ल. के दरवाज़े से खाली न जाता था और कोई क़ैदी उस ज़माने में क़ैदन रहता था। एक हदीस में आया है कि हुज़ूर ने फरमाया- जिसने रमज़ान में किसी रोज़ेदार को इफ़्तार कराया, तो यह उसके गुनाहों की बख़्शिश का और उसकी गर्दन को आग से छुड़ाने का ज़रिया होगा और उसको उतना ही सवाब मिलेगा जितना उस रोज़ेदार का रोज़ा रखने का सवाल मिलेगा।

राजस्थान में 53,749 पदों पर भर्ती के लिए आज से शुरू आवेदन

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती 2024 का संशोधित नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके तहत 53,749 पदों पर भर्ती की जाएगी। हालांकि इससे पहले इस भर्ती के लिए 52,453 पद भरे जाने थे।

इनमें से 48,199 पद नॉन-टीएसपी (Non-TSP) और 5,550 पद टीएसपी (TSP) क्षेत्रों के लिए आरक्षित हैं। उम्मीदवार राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट rsmssb.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए आवेदन आज यानी 21 मार्च से शुरू हो रहे हैं।

आवेदन शुरु:
21 मार्च 2025 से 19 अप्रैल 2025 तक

टोटल पोस्ट : 53,749

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास।

एज लिमिट :
18 - 40 वर्ष
उम्र की गिनती 1 जनवरी 2025 को आधार मानकर की जाएगी।
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार उम्र में छूट दी जाएगी।

फीस :
सामान्य, क्रीमीलेयर श्रेणी के अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग : 600 रुपए
राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर श्रेणी के पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग : 400 रुपए
राजस्थान के अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार : 400 रुपए

सैलरी :
पे मैट्रिक्स लेवल - 1 के अनुसार

सिलेक्शन प्रोसेस :
लिखित परीक्षा
डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन

एग्जाम पैटर्न :
इस भर्ती के लिए परीक्षा दो घंटे की होगी।
इसमें 10वीं के लेवल के सवाल पूछे जाएंगे।
परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्न सामान्य हिंदी, अंग्रेजी, जनरल नॉलेज और मैथ्स से होंगे।
यह परीक्षा 200 अंकों की होगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rsmssb.rajasthan.gov.in पर जाएं।
यहां नोटिफिकेशन के लिंक पर क्लिक करें।
अब चतुर्थ श्रेणी के नोटिफिकेशन लिंक पर क्लिक करें।
अधिसूचना को चेक करें और नियमानुसार आवेदन करें।

इनकम टैक्स विभाग में 10वीं, 12वीं पास से लेकर ग्रेजुएट्स की भर्ती

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट आंध्र प्रदेश और तेलंगाना (हैदराबाद) में स्टेनोग्राफर ग्रेड II, टैक्स असिस्टेंट और मल्टी-टास्किंग स्टाफ (MTS) सहित कई पदों पर वैकेंसी निकली है। उम्मीदवार आयकर विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट incometaxindia.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। यह भर्ती स्पोर्ट्स कोटे की तहत की जा रही है।

आवेदन शुरु:
25 मार्च से 5 अप्रैल तक

वैकेंसी डिटेल्स :
स्टेनोग्राफर ग्रेड II (स्टेनो): 02 पद
टैक्स असिस्टेंट (टीए): 28 पद
मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमटीएस): 26 पद
कुल पदों की संख्या : 56

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार मान्यता प्राप्त संस्थान से 10वीं, 12वीं पास
मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री या समकक्ष योग्यता

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : पद के अनुसार 25, 27 साल
रिजर्व कैटेगरी को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

सैलरी :
स्टेनोग्राफर ग्रेड II और टैक्स असिस्टेंट : 25,500 - 81,100 रुपए प्रतिमाह
मल्टी-टास्किंग स्टाफ (MTS) : 18,000 - 56,900 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल फिटनेस टेस्ट

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट incometaxindia.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन टैब पर क्लिक करें।
अब संबंधित लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके लॉग इन करें।
मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

SSC ने 106 पदों पर निकाली भर्ती; एज लिमिट 50 साल, सैलरी 80 हजार से ज्यादा

कर्मचारी चयन आयोग ने जूनियर सचिवालय सहायक/लोअर डिवीजन क्लर्क और सीनियर सचिवालय सहायक/अपर डिवीजन क्लर्क भर्ती के लिए आवेदन शुरू किए हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in. पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरु:
20 मार्च 2025 से 10 अप्रैल 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
सीनियर सचिवालय सहायक/ अपर डिवीजन क्लर्क : 70
जूनियर सचिवालय सहायक/ लोअर डिवीजन क्लर्क : 36

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार कोई भी स्थायी या rरेग्युलर अस्थायी ग्रुप 'सी' कर्मचारी जिसकी ग्रेड सैलरी 1800 रुपए हो, आवेदन कर सकता है। 12वीं पास होना जरूरी है।

सैलरी :
जूनियर सचिवालय सहायक/ लोअर डिवीजन क्लर्क - 19,900 से 63,200 रुपए
सीनियर सचिवालय सहायक/ अपर डिवीजन क्लर्क - 25,500 से 81,100 रुपए

एज लिमिट :
सीनियर सचिवालय सहायक/ अपर डिवीजन क्लर्क : अधिकतम 50 साल
जूनियर सचिवालय सहायक/ लोअर डिवीजन क्लर्क : अधिकतम 45 साल
रिजर्व कैटेगरी को सरकारी नियमों के अनुसार उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम के बेसिस पर

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर आवेदन लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।
मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

NMDC स्टील लिमिटेड में 246 पदों पर भर्ती

NMDC स्टील लिमिटेड ने 200 से अधिक पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट nmdcsteel.nmdc.co.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरु:
18 मार्च से 7 अप्रैल तक

टोटल पोस्ट: 246

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित क्षेत्र में इंजीनियरिंग की डिग्री।
पोस्ट लेवल के अनुसार 2 से 15 साल तक का वर्क एक्सपीरियंस।

एज लिमिट :
अधिकतम 45 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, एक्स सर्विसमैन, विभागीय उम्मीदवार : नि:शुल्क

सैलरी :
60 हजार - 2 लाख 80 हजार रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट nmdc-steel.nmdc.co.in पर जाएं।
करिअर सेक्शन में एग्जीक्यूटिव रिक्रूटमेंट 2025 पर क्लिक करें।
अब संबंधित लिंक पर क्लिक करें।

आयकर विभाग स्टेनोग्राफर ग्रेड – I ऑफलाइन फॉर्म 2025

कुल रिक्तियां: 100
आयकर विभाग ने प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्टेनोग्राफर ग्रेड - I रिक्ति की भर्ती के लिए रोजगार की अधिसूचना दी है । वे उम्मीदवार जो रिक्ति विवरण में रुचि रखते हैं और सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, वे अधिसूचना पढ़ सकते हैं और आवेदन कर सकते हैं।

आयकर विभाग:
स्टेनोग्राफर ग्रेड – I रिक्ति 2025

महत्वपूर्ण तिथियां:
आवेदन की अंतिम तिथि: 31-03-2025

आयु सीमा:
अधिकतम आयु सीमा: 56 वर्ष से अधिक नहीं
आयु में छूट नियमानुसार लागू होगी।

योग्यता:
उल्लेख नहीं है।

राजस्थान उच्च न्यायालय सिविल जज और न्यायिक मजिस्ट्रेट भर्ती - 44 पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

राजस्थान उच्च न्यायालय ने सिविल जज और न्यायिक मजिस्ट्रेट के 44 पदों के लिए भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार जो एलएलबी धारक हैं, वे 01-03-2025 से 30-03-2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों को राजस्थान उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट hcraj.nic.in पर जाकर आवेदन करना होगा।

पद का नाम: सिविल जज और न्यायिक मजिस्ट्रेट
कुल पद: 44

महत्वपूर्ण तिथियां:
- ऑनलाइन आवेदन की शुरुआत: 01-03-2025
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 30-03-2025, शाम 5:00 बजे तक
- परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि: 31-03-2025, शाम 5:00 बजे तक

आवेदन शुल्क:
- सामान्य, ओबीसी-सीएल, एमबीसी-सीएल श्रेणी और अन्य राज्य के उम्मीदवारों के लिए: 1500 रुपये
- राजस्थान राज्य के ओबीसी-एनसीएल, एमबीसी-एनसीएल और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए: 1250 रुपये
- राजस्थान राज्य के एससी, एसटी और पूर्व सैनिक श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए: 800 रुपये
- बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए: नि:शुल्क

आयु सीमा (01-01-2026 के अनुसार):
- न्यूनतम आयु सीमा: 21 वर्ष
- अधिकतम आयु सीमा: 40 वर्ष

शैक्षिक योग्यता:
- उम्मीदवारों के पास एलएलबी की डिग्री होनी चाहिए।

पद विवरण:
- सिविल जज और न्यायिक मजिस्ट्रेट: 44

एफसीआई अरावली जिप्सम एंड मिनरल्स इंडिया लिमिटेड में सीएमडी भर्ती

FCI अरावली जिप्सम एंड मिनरल्स इंडिया लिमिटेड (FAG-MIL) ने अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (CMD) की भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। FAGMIL CMD भर्ती 2025 अधिसूचना 10 मार्च 2025 को जारी की गई थी, और ऑनलाइन आवेदन 07 अप्रैल 2025 तक स्वीकार किए जाएंगे। योग्य उम्मीदवार सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) की आधिकारिक वेबसाइट https://pesb.gov.in/ के माध्यम से FAGMIL CMD भर्ती 2025 के लिए आवेदन कर सकते हैं ।

पोस्ट नाम: अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी)

वेतनमान: रु. 1,60,000 – 2,90,000 (आईडीए)

शिक्षा: किसी अग्रणी संस्थान से इंजीनियरिंग स्नातक/ चार्टर्ड अकाउंटेंट/कॉस्ट अकाउंटेंट/स्नातकोत्तर/एमबीए/ पीजीडीआईएम के साथ स्नातक।

आयु सीमा: न्यूनतम: 40 वर्ष; अधिकतम: रिक्ति की तिथि पर आंतरिक उम्मीदवारों के लिए 2 वर्ष की अवशिष्ट सेवा और अन्य के लिए 3 वर्ष।

चयन प्रक्रिया:
FAGMIL CMD भर्ती 2025 के लिए चयन प्रक्रिया निम्नलिखित चरणों पर आधारित होगी:
आवेदन की जांच : पात्रता मानदंडों के आधार पर आवेदनों की जांच की जाएगी।
साक्षात्कार : शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) द्वारा साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।
अंतिम चयन : अंतिम चयन साक्षात्कार में उम्मीदवार के प्रदर्शन के आधार पर होगा।

आवेदन कैसे करें:
पीईएसबी की आधिकारिक वेबसाइट https://pesb.gov.in/ पर जाएं ।
ऑनलाइन आवेदन पत्र भरें।
अधिसूचना में उल्लिखित दिशानिर्देशों के अनुसार उचित माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करें।
सुनिश्चित करें कि सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न हैं (यदि लागू हो)।
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 07 अप्रैल 2025 है ।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के 52,453 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। इन पदों में 46,931 गैर अनुसूचित क्षेत्र और 5,522 अनुसूचित क्षेत्र के पद शामिल हैं। इस भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता सेकेंडरी (कक्षा 10) या समकक्ष परीक्षा है।

पद विवरण:
- पद का नाम: चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी
- पद संख्या: 52,453 (गैर अनुसूचित क्षेत्र: 46,931, अनुसूचित क्षेत्र: 5,522)
- वेतनमान: पे मैट्रिक्स लेवल L-1
- आयु सीमा: न्यूनतम 18 वर्ष, अधिकतम 40 वर्ष (01.01.2026 तक)

आवेदन प्रक्रिया:
- ऑनलाइन आवेदन और पंजीयन शुल्क भरने की अंतिम तिथि: 19.04.2025 (रात्रि 11:59 बजे तक)
- परीक्षा की संभावित तिथि: 18.09.2025 से 21.09.2025 तक (कंप्यूटर आधारित, टैबलेट आधारित, या ओएमआर आधारित परीक्षा)

आवेदन और विस्तृत जानकारी:
- आवेदन प्रक्रिया, आरक्षण, पदों का वर्गीकरण, आयु में छूट, परीक्षा स्कीम, पाठ्यक्रम आदि की जानकारी बोर्ड की वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जारी की जाएगी।
- किसी भी जानकारी के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, दुर्गापुरा, जयपुर पर संपर्क किया जा सकता है।

रमजान में जकात की अदायगी और रोज़े के महत्व पर मुफ्ती सिकंदर-ए-आज़म का पैगाम

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। मदरसा मदीना-तुल-उलूम मोहल्ला तेलियान के मुफ्ती सिकंदर-ए-आज़म ने रमजान के महीने में जकात की अदायगी और रोज़े के महत्व पर महत्वपूर्ण बयान दिए। उन्होंने कहा कि रमजान में जकात की अदायगी के लिए आखिरी रोज़ का इंतजार न करें, बल्कि इसे पहले ही निकाल दें ताकि दूसरों के घरों की ईद खुशहाल हो सके। मुफ्ती सिकंदर-ए-आज़म ने यह भी कहा कि अगर आपके आसपास या रिश्तेदारी में कोई गरीब है, तो उसकी मदद करना आपकी जिम्मेदारी है और यह मदद इस तरह से होनी चाहिए कि एक हाथ से दिया जाए तो दूसरे हाथ को पता न चले। उन्होंने रमजान के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "रमजान का महीना अल्लाह का दिया हुआ एक बड़ा तोहफा है। यह समय आत्म-शुद्धि, इबादत, और समाज में एकता का होता है।" मुफ्ती ने हदीस और कुरान की रोशनी में बताया कि रमजान में किए गए अच्छे कामों का फल बहुत बढ़ा होता है, और यह हमें अपने गुनाहों से माफी पाने का अवसर भी देता है। मुफ्ती ने रमजान के महीने में रोज़ा रखने के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा कि रमजान में रोज़ा रखना एक इस्लामिक कर्तव्य है जो आत्म-संयम और अल्लाह के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने कुरान के नाजिल होने की घटना को याद करते हुए कहा कि रमजान का महीना विशेष रूप से पुण्य और बरकत का होता है।

रमजान में बच्चों के लिए रोज़े के बारे में सुझाव: मुफ्ती सिकंदर-ए-आज़म ने छोटे बच्चों के लिए भी रोज़े रखने के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों को इस्लामिक शिक्षा के तहत धीरे-धीरे रोज़ा रखने की आदत डाली जा सकती है, और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वे शारीरिक रूप से स्वस्थ हैं। बच्चों को रोज़े

के धार्मिक और नैतिक महत्व के बारे में भी शिक्षित किया जाना चाहिए। रमजान में समाजिक एकता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने के लिए मुसलमानों को एक-दूसरे के साथ मिलकर इफ्तार और सेहरी का आयोजन करना चाहिए, जो आपसी रिश्तों को मजबूत करता है। इस रमजान, अपनी जिम्मेदारियों को समझें और अल्लाह की रहमत और बरकत का पूरा लाभ उठाएं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों संग की बैठक

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। आगामी निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी व एडीएम दिवांशु शर्मा ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार मतदान केंद्रों पर बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं (बीएलए) की नियुक्ति, मतदाता सूची में लिंग अनुपात और मतदान प्रतिशत में सुधार सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि अभी तक जिले में बीएलए-1 की नियुक्ति नहीं हो सकी है, जिसे शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। बैठक में उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने अवशेष बीएलए-2 की नियुक्ति जल्द करने का आश्वासन दिया।

बैठक में निर्वाचन समन्वयक हीरालाल वर्मा, भारतीय जनता पार्टी के विधिक कार्य सदस्य नरेंद्र कुमार सोमानी, इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रतिनिधि कुशलपाल प्रजापति, बहुजन समाज पार्टी के

प्रतिनिधि सुरेश कुमार, सहायक जनसंपर्क अधिकारी मोहनलाल, मीडिया प्रतिनिधि (सुजस) रामप्रसाद मेहता, अति. प्रशासनिक अधिकारी प्रमोद कुमार राठौर, नायब तहसीलदार योगेंद्र प्रसाद त्रिवेदी, अति. जिला सूचना विज्ञान अधिकारी पूनम पाटनी सहित अन्य अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी, दिशा-निर्देश और परिपत्रों से सभी को अवगत कराया गया। निर्वाचन विभाग ने राजनीतिक दलों से मतदाता सूची को अद्यतन करने और त्रुटिरहित बनाने में सहयोग करने का अनुरोध किया, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित न रहे। सोशल मीडिया और कृत्रिम (एआई-जनित) सामग्री के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी परामर्श के तहत सभी राजनैतिक दलों को प्रचार सामग्री में एआई-जनित कंटेंट को स्पष्ट रूप से चिह्नित करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निर्वाचन विभाग द्वारा विकसित वोटर हेल्पलाइन ऐप, सी-विजिल ऐप, सक्षम ऐप, सुगम पोर्टल आदि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की जानकारी दी गई तथा टोल-फ्री नंबर 1950 के प्रचार-प्रसार में सहयोग करने का आग्रह किया गया। बैठक में सभी राजनीतिक दलों से स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्बाध निर्वाचन संपन्न कराने में सहयोग की अपील की गई।

जमाअत ए इस्लामी हिंद बारां ने छबड़ा में किए रमजान किट वितरित

छबड़ा, (रॉयल पत्रिका)। जमाअत ए इस्लामी हिंद बारां की जानिब से 20 मार्च 2025 बरोज जुमेरात को छबड़ा में जाकर 10 जरूरतमंद लोगों को रमजान किट तकसीम किए गए। जमाअत ए इस्लामी हिंद पिछले 70 सालों से भी ज्यादा समय से गरीबों की मदद के लिए तैयार रहती है। जमाअत ए इस्लामी की जानिब से जरूरत मंद लोगों को हर साल रमजान में किट ओर सर्दी के मौसम में कम्बल और तालिबें इल्म को स्कॉलरशिप ओर बेसहारा औरतों को हर महीने पेंशन ओर बेरोजगार लोगों की मदद करने के लिए उन्हें सिलाई मशीन भी दी जाती हैं। इसी क्रम में जरूरत मंद लोगों को रमजान किट वितरित करने के लिए बारां से यूसुफ राज, अब्दुल शकुर, सरदार अली ओर समीर अली पहुंचे और वहां के जिम्मेदार मोहम्मद जावेद, शब्बीर अहमद, सलाम भाई शानू भाई , इकबाल भाई, हिदायत भाई सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व पार्षद मोहम्मद हुसैन ने दिल्ली प्रवास के दौरान एससी, एसटी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष से की मुलाकात

कोटा, (रॉयल पत्रिका) इंकलाब मोर्चा प्रमुख,वरिष्ठ नेता और सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हुसैन ने दिल्ली प्रवास के दौरान 24 अकबर रोड नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस पुराने कार्यालय में sc. st कांग्रेस के राष्ट्र अध्यक्ष राजेश लिलोठिया से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा हुसैन ने दिल्ली में कई वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात की।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रशीद गौरी 'के.बी. राइटर्स कलमकार सम्मान -2024' से सम्मानित-

सोजत, (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय वरिष्ठ साहित्यकार, कवि-कथाकार डॉ रशीद गौरी को 'के.बी.राइटर्स कलमकार सम्मान-2024' से सम्मानित किया गया है। उक्त सम्मान डॉ. ग़ौरी को गत वर्ष 2024 में हिंदी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर के.बी.राइटर्स अन्तर्राष्ट्रीय साहित्यिक मंच द्वारा 10 मार्च 2025 को ऑनलाइन प्रदान किया गया है। इस प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान करने के लिए उन्होंने संस्था के संस्थापक चंदन केशरी एवं अध्यक्ष-संचालक कुंदन केशरी का आभार व्यक्त किया है। इस सम्मान पर भामाशाह-समाजसेवी अनोपसिंह लखावत, वरिष्ठ नागरिक समिति के अध्यक्ष सुरेश ओझा, पेंशनर समाज अध्यक्ष लालचंद मोयल, भाविप के अध्यक्ष देवीलाल सांखला, प्रकाश सोनी, अभिनव कला मंच अध्यक्ष गोरधनलाल गहलोत, चेतन व्यास, श्यामलाल व्यास, सोजत सेवा मंडल सचिव पुष्पतराज मुणोत, वनास उपाध्यक्ष हितेंद्र व्यास, सत्यनारायण गोयल, रुचिर-विद्या साहित्य समिति अध्यक्ष बसंत कुमार लखावत, मदनलाल चौहान, वीरेंद्रसिंह लखावत, सत्तूसिंह भाटी, हीरालाल आर्य,फौजी अशोक सेन, श्यामलाल परिहार, शंकरलाल पारीक, महेंद्र मेहता, लक्ष्मणराम पालड़िया, महेंद्र माथुर, रामस्वरूप भटनागर, धनपत प्रजापत, अब्दुल समद राही, नवनीत राय रुचिर, कैलाशदान चारण, उमाशंकर द्विवेदी, बृजमोहन राठी, ओमप्रकाश मोयल, जुगलकिशोर दवे, जवरीलाल अग्रवाल, दिनेश सोलंकी, विशनसिंह भाटी, शिवलाल जोशी, एडवोकेट मुजीबुर्रहमान टांक, बाबू खां मेहर, इंसाफ खान सदर, यासीन छीपा,दलपत पेंटर, जवरीलाल बोराणा, इंसाफ घोसी,हाजी मो. हनीफ सिपाही,

फरीद ग़ौरी, शाहबाज खान, रमीज पठान, ठेकेदार फकीर मोहम्मद, इमरान सिलावट, इमरान पठान , मोहम्मद यासीन रॉयल आदि प्रतिष्ठित गणमान्यजनों ने डॉ. ग़ौरी को खुशी व्यक्त करते हुए बधाईयां एवं शुभकामनाएं दीं।

भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु का शहीदी दिवस मनाया

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। शहीद दिवस के उपलक्ष्य में 23 मार्च 2025 को भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के नेहरू युवा केंद्र बारां द्वारा शहीद भगत सिंह डिफेंस एकेडमी जिला बारां में शहीद दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम अतिथियो द्वारा शहीद भगत सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई । इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी विशाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, उन्होने बताया की शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु युवाओं के लिए आदर्श और प्रेरणा है कार्यक्रम की अध्यक्षता शहीद भगत सिंह डिफेंस एकेडमी के निदेशक राजेश मीणा ने की कार्यक्रम में विभिन्न मंडलो के युवाओ ने भाग लिया। कार्यक्रम मे शहीद भगत सिंह डिफेंस एकेडमी के निदेशक राजेश मीणा ने शहीद दिवस के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत की नींव

रखने में कई आंदोलनकारियों और क्रांतिकारियों की भूमिका अहम है। इन क्रांतिकारियों ने आजादी के लिए अपना पूरा जीवन न्योछावर कर दिया। कई बार जेल गए, अंग्रेजों की प्रताड़ना झेली लेकिन हार नहीं मानी और ब्रिटिश हुकुमत को देश से बाहर निकालने का प्रयास जारी रखा। इन्हीं क्रांतिकारियों में शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु का नाम इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों मंद दर्ज है। उन्हें लाहौर षड़यंत्र के आरोप में फांसी की सजा सुनाई गई थी। 24 मार्च 1931 को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की फांसी दी जानी थी लेकिन अंग्रेजी हुकूमत उन्हें फांसी के फंदे पर लटकाने को लेकर भी खौफ में थी कि देशवासी उनके शहीद होने पर आक्रोशित हो जाएंगे। ऐसे में तीनों वीर सपूतों को एक रात पहले ही चुपके से फांसी दे दी गई। 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव हंसते हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए। इस दिन को भारत के वीर सपूतों के बलिदान की याद में मनाते हुए शहीद दिवस के तौर पर मनाते हैं। इस अवसर पर मनीष पोटर, प्रिंस पंकज कार्यक्रम में उपस्थित रहे। विवेकानन्द युवा मंडल बडा के अध्यक्ष अक्षय पंकज व पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक भगवती बैरवा ने आभार व्यक्त किया।

पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल की माताजी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की

अटरु/बारां, (रॉयल पत्रिका)। अटरु विधानसभा के पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल की माताजी श्रीमती गुलाब बाई का आकस्मिक निधन शुक्रवार को हो गया था। जिनके अंत्येष्टि पुश्तैनी गांव कंवरपुरा, अटरु में की गई। शनिवार को तीये की बैठक में राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान के अध्यक्ष शेख बहादुर, जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शाहिद कूंडी, जिला महामंत्री अब्दुल कलाम चिश्ती, प्रोपर्टी डीलर साबिर खान बैठक में पहुंच कर पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल व गमजदा परिवार को ढांढस बधाकर शोक संवेदना प्रकट की।

सीएमएचओ डॉ. मारवाल को अचीवर्स अवॉर्ड

-प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने पर 25 मार्च को जयपुर में राज्य स्तरीय समारोह में होगा सम्मान

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले के सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल को मंगलवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिए राज्य स्तरीय सम्मान समारोह 'आई प्लेज फार 9 अचीवर्स अवॉर्ड' में सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह 25 मार्च 2025 को चिकित्सा एवं परिवार कल्याण संस्थान, झालाना डूंगरी, जयपुर में होगा। इस अवार्ड के माध्यम से उन उत्कृष्ट सेवा प्रदाताओं को सराहा जाता है, जिन्होंने मातृत्व सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान दिया है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान हर माह की 9, 18 और 27 तारीख को चिकित्सा संस्थानों में आयोजित किया जाता है, जिसमें गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। डीपीओ भवानी सिंह ने बताया कि पाली जिले के चिकित्सा संस्थानों में प्रति माह 9, 18, 27 तारीख को आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में प्रति माह लगभग ढाई हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं की जांच की जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि एक गर्भवती महिला के लिए चार बार प्रसवपूर्व जांच अनिवार्य है, जिससे संभावित स्वास्थ्य समस्याओं का समय रहते समाधान किया जा सके। सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि इस अभियान में सर्वोत्तम कार्य प्रदर्शन के कारण उन्हें यह सम्मान मिलने जा रहा है। यह सम्मान समारोह राज्य में

मातृत्व सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और स्वास्थ्य सेवा के उच्च मानकों का परिचायक है। उन्होंने बताया कि पीएमएसएमए में श्रेष्ठ कार्य करने पर सुमेरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी को भी सम्मानित किया जाएगा।

25 लाख की पुरानी इंटरलॉकिंग गायब, अधिकारियों को जानकारी नहीं

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। कस्बे में 25 लाख रुपए की पुरानी इंटरलॉकिंग गायब हो गई। नगरपालिका के किसी भी अधिकारी को इसकी जानकारी नहीं है। हाल ही में कस्बे में करीब एक करोड़ रुपए की लागत से निर्माण कार्य हुए। इंटरलॉकिंग और सीसी रोड का निर्माण हुआ। पुराने इंटरलॉकिंग ब्लॉक हटाकर नए लगाए गए। खटीक मोहल्ला, गुर्जर मोहल्ला, यादव मोहल्ला, होली खूंट श्मशान और बड़ा बाजार से पुरानी इंटरलॉकिंग हटाई गई। इन जगहों पर करीब 50 लाख रुपए की लागत से नया निर्माण हुआ। पहले भी इसी लागत से निर्माण हुआ था। इस दौरान हटाई गई पुरानी इंटरलॉकिंग की कीमत करीब 25 लाख रुपए आंकी जा रही है, लेकिन यह कहां गई किसी को नहीं पता। नगर पालिका के एईएन तरुण लहरी ने कहा कि हटाई गई इंटरलॉकिंग को किसी सरकारी भूमि पर एकत्र किया गया होगा, ताकि जरूरत पड़ने पर उसका दोबारा उपयोग हो सके। हालांकि, उन्हें इसकी पक्की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि वे जानकारी लेकर बताएंगे। नगर पालिका के जेईएन हिमांशु अग्रवाल को भी जानकारी नहीं थी कि हटाई गई इंटरलॉकिंग कहां रखी गई है। कस्बे से इस तरह इंटरलॉकिंग का गायब होना वापस गबन की स्थिति बता रहा है।

युवक ने घर में की आत्महत्या

डॉ० तौहीद

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के एक 45 वर्षीय व्यक्ति ने अज्ञात कारणों के चलते शुक्रवार को आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजन को सौंप दिया। एएसआई देवेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक सुनील टेलर पुत्र रमेश चंद टेलर गणेश मंदिर स्थित बावड़ी के पास कुम्हार मोहल्ले का निवासी है। मृतक के जुल्मी रोड पर एक साइकिल की दुकान है। वह सुबह अपने घर पर ही था। उसने सुबह अपने बच्चे को कान में दर्द होने के चलते उसके छोटे भाई के साथ अस्पताल भेजा था। इसके बाद घर के एक कमरे में जाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामले में मर्ग दर्ज किया है। जिसकी जांच की जा रही है।

हिन्दुस्तान जिंक़ ने वित्त वर्ष 24 में 1800 करोड़ लीटर से अधिक मात्रा में पानी को रीसाइकल किया

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। वर्ल्ड वाटर डे के अवसर पर, भारत की सबसे बड़ी और विश्व की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक हिन्दस्तान जिंक़ लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 में 1800 करोड़ लीटर से अधिक मात्रा में पानी के रीसाइकल की घोषणा की है, जो राजस्थान में लगभग 1 लाख घरों के वार्षिक जल उपयोग के बराबर है। भारत के सबसे अधिक जल संकट वाले क्षेत्रों में से एक राजस्थान में परिचालन करते हुए, हिन्दस्तान जिंक सस्टेनेबल वाटर मैनेजमेंट के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है, जिसने 2.41 गुना वाटर पाजिटिव एवं जीरो लिक्विड डिस्चार्ज कंपनी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। कंपनी ने जीरो लिक्विड डिस्चार्ज दृष्टिकोण को बनाए रखा है जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रक्रिया जल और अपशिष्ट का उपचार, रीसाइकल और पुनः उपयोग किया जाए, जिससे लिक्विड डिस्चार्ज को समाप्त करते हुए शुद्ध जल पर निर्भरता काफी कम हो जाती है।

विश्व की सबसे सस्टेनेबल मेटल और माइनिंग कंपनी के रूप में, हिन्दस्तान जिंक का जल संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण परिचालन और समुदाय के नेतृत्व वाली जल प्रबंधन पहलों को शामिल करता है। विश्व जल दिवस से पहले, हिंदुस्तान जिंक ने राजस्थान के विभिन्न जिलों में परिचालन और सामुदायिक स्तर पर चल रही प्रमुख जल प्रबंधन पहलों का अनावरण किया।

रहबर एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी, बारां का रोजा इफ्तार प्रोग्राम सम्पन्न

बारां,(रॉयल पत्रिका)। रहबर एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी बारां द्वारा रविवार को पंचायत श्योपरियान जमात खाने में रोजा इफ्तार प्रोग्राम सम्पन्न हुआ। सोसायटी के प्रवक्ता द्वारा बताया कि रोजा इफ्तार प्रोग्राम में रहबर से जुड़े स्टूडेंट्स, मेंबर्स और मुस्लिम समाज के सरकारी कर्मचारियों और अन्य रोजेदार शामिल हुए। असर की नमाज के बाद से ही रोजेदारों का जमात खाने में आने का सिलसिला शुरू हो गया। प्रोग्राम में रमज़ान माह की फ़ज़ीलत और वर्तमान दौर में

तालीम की अहमियत बयान की गई। मगरिब की अज़ान से पहले ही एरिया फुल हो गया था। मगरिब की अज़ान के साथ ही रोजेदारों ने रोजा खोलकर अल्लाह का शुक्र अदा किया। प्रोग्राम में रहबर के जिम्मेदार, मेंबर्स सहित अन्य कई लोग मौजूद रहे।

रजविया कमेटी ने किया ईदगाह सदर का इस्तकबाल

बारां, (रॉयल पत्रिका)। रजविया मस्जिद कमेटी नयापुरा के सदर अब्दुल हक हक्का भाई के नेतृत्व में ईदगाह सदर सद्दाम हुसैन अंसारी (बहुरानी साड़ी) का मस्जिद रजविया में माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर इस्तकबाल कर मुबारकबाद पेश की गई। मस्जिद कमेटी के पदाधिकारियों ने वक्फ कमेटी के चेयरमैन इरफान अंसारी का भी इस्तकबाल किया। इस दौरान कमेटी के सेकेट्री मुन्ना पीटीआई, खजांची रहीम खान, हाफिज मुईनुद्दीन, ईमाम मोहम्मद अय्यूब रजवी, हाफिज शोएब, ईमाम समीर अहमद, मोहम्मद आफाक सहारा, पंचायत श्योपुरियांन सदर हाजी इकबाल अंसारी, सेकेट्री नईस अहमद अंसारी, फिरोज अली उर्फ बब्लू सर्राफ, मदनी भाई, नईम अंसारी, एहसान भाई, जाकिर भाई, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वेलफेयर पार्टी, कोटा ने ग़रीब व ज़रूरतमंदों को वितरित किए राशन किट

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। वेलफेयर पार्टी ऑफ़ इंडिया कोटा इकाई ने 23 मार्च 2025, रविवार को जमाअते इस्लामी हिंद कोटा व आइडियल रिलीफ़ ट्रस्ट के सहयोग से घंटाघर क्षेत्र के 40 ग़रीब व ज़रूरतमंद लोगों को राशन किट वितरित किए। वेलफेयर पार्टी ऑफ़ इंडिया के पार्षद मोहम्मद आसिम ने बताया कि हर वर्ष रमज़ान के महीने में उनकी टीम द्वारा सर्वे करके जमाअते इस्लामी हिंद कोटा इकाई के सहयोग से शहर भर ग़रीब, बेसहारा व ज़रूरतमंद लोगों को राशन किट

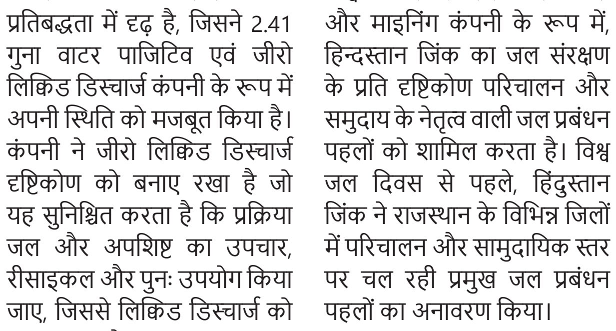

वितरित किए जाते हैं ताकि रमज़ान के इस पवित्र महीने में लोगों के पास राशन की कमी ना हो तथा लोग ईद की खुशियों में भी शामिल हो सकें। पार्षद मोहम्मद आसिम ने बताया कि एक किट में ज़रूरत अनुसार आटा, तेल, चीनी, दालें, घी, सेवइयां आदि राशन सामग्री दी गई है। इस मौक़े पर सैफुल्लाह ख़ान, रशीद अहमद, शाहिद कुरैशी, अनवर हुसैन व सोहेल ख़ान मौजूद रहे।

विकास यादव ने लोकसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

डॉ० तौहीद

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। सुकेत भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विकास यादव ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से दिल्ली में की मुलाकात, रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र की जन समस्याओं से करवाया अवगत, सुकेत नगर पालिका क्षेत्र में हो रहे अवैध अतिक्रमण, लंबे समय से लंबित सुकेत मंडल अध्यक्ष की नियुक्ति, सुकेत सीएचसी में डॉक्टर और स्टाफ के बारे में बताया, वही दरा में लग रहे जाम की समस्या का अतिशीघ्र निस्तारण की पहल की गई।

जिला मुख्यालय पर नवनिर्मित वीरगति स्मारक का उद्घाटन व लोकार्पण समारोह 26 मार्च को

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर नवनिर्मित वीरगति स्मारक का 26 मार्च को उद्घाटन व लोकार्पण किया जाएगा। इस संबंध में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन (नेवी) दलीप सिंह राठौड़ ने प्रेस वार्ता कर जानकारी साझा की। प्रेस को संबोधित करते हुए कैप्टन दलीप सिंह ने कहा कि वीरगति स्मारक का नवनिर्माण देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को सच्ची श्रद्धांजलि है। हमारी भावनाएं वीरगति स्मारक से जुड़ाव रखती है। इन भावनाओं को मूर्त रूप प्रदान करने तथा वीरों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए जिले के रतननगर के स्व. भंवरलाल-संपति देवी हीरावत के सुपुत्र बसंत हीरावत व अभय हीरावत द्वारा उनके परिवार के आर्थिक सहयोग से जिला मुख्यालय पर वीरगति स्मारक का पुनर्निर्माण करवाया गया है। उन्होंने बताया कि जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ दक्षिण पश्चिम कमान के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह एवीएसएम, वाईएसएम, वीएसएम के मुख्य अतिथ्य में वीरगति स्मारक का उद्घाटन व लोकार्पण समारोह 26 मार्च को आयोजित किया जाएगा। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि वीरांगनाओं, भूतपूर्व सैनिकों से संवाद करेंगे तथा वीरांगनाओं का सम्मान करेंगे। आयुद्ध सेवा महानिदेशक लेफ्टिनेन्ट जनरल सुरेश चन्द्र टान्डी (एवीएसएम, वीएसएम), जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा व सैन्य अधिकारीगण एवं जिला स्तरीय अधिकारीगण भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से अनुगृहीत करेंगे। इस अवसर पर वीरगति स्मारक के नवनिर्माण में अर्थिक सहयोग करवाने वाले बसंत हीरावत ने वीरगति स्मारक के बारे में समुचित जानकारी साझा की। कैप्टन (नेवी) दलीप सिंह राठौड़ ने जिले के वीरगति प्राप्त सैनिकों के परिजनों एवं आश्रितों तथा पदक विजेताओं, पूर्व सैनिकों, पूर्व सैनिकों की वीरांगनाओ से ज्यादा से ज्यादा संख्या मे वीरगति स्मारक के लोकार्पण समारोह में उपस्थित होने की अपील की है।

दरगाह हजरत मख्दुम पीर डाडा अब्बनशाह र.अ. का सालाना उर्स 31 मार्च को

-उर्स मुबारक को लेकर तैयारियां जोरों पर, कौमी एकता की प्रतीक दरगाह पीर की जाल

मोहम्मद अब्बास

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। उपखण्ड मुख्यालय से मात्र 7 कि.मी. पर स्थित अल मशहूर दरगाह हजरत मख्दुम पीर डाडा अब्बनशाह रे.अ. पीर की जाल पर वार्षिक उर्स (मैला) दिनांक 31 मार्च से 6 अप्रैल तक आयोजित होगा। जिला कलक्टर आदेशानुसार दरगाह पीर की जाल मैले में कानून व्यवस्था एवं लोक-शांति बनाये रखने हेतु उपखण्ड मजिस्ट्रेट सांचौर को मेला मजिस्ट्रेट तथा इनके सहयोग के लिए तहसीलदार सांचौर को सहायक कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया। उर्स मुबारक को लेकर तैयारीया जोरों पर। दरगाह खादीम एडवोकेट ईब्राहीमशाह ने बताया कि दरगाह शरीफ के उर्स मुबारक को लेकर की जाने वाली तमाम व्यवस्था के बारे अवगत करवाया। दरगाह शरीफ को चारों और रंग बिरगी लाईटों से सजाया जाएगा। उर्स मुबारक में लगने वाली दुकानों को 25 मार्च को मैला दुकाने आंवटन की जायेगी। 31 मार्च को नेजा (झण्डा) की रस्म होगी। 03 अप्रैल को संदल होगा। 06 अप्रैल को उर्स समापन की रस्म अदा होगी। डाडा के उर्स मुबारक में सैकड़ो जायरीन दरगाह पर आते है हजारों जायरीन पैदल चलकर आते है पैदल आने वाले जायरीनों के लिए दान दाताओं की तरफ से जगह-जगह पर केम्प लगाकर पैदल जायरीनों के लिए चाय, पानी, नास्ता, दवाईया आदि की व्यवस्था की जाती है। दरगाह शरीफ के बुंलद दरवाजे से लेकर पुरी दरगाह शरीफ को रंग बिरंगी सजावट से सजाया जाएगा। सालाना उर्स में करीब 400-450 दुकाने लगती है जिसमें राजस्थान के गंगानगर, उदयपुर, अजमेर, पाली, नागौर, जालौर, बाड़मेर, जैसलमेर, भरतपुर, अलवर के अलावा इन्दौर, मध्यप्रदेश, गुड़गाँव, बम्बई, बरेली, फिरोजाबाद, कानपुर, उतरप्रदेश, पंजाब व गुजरात आदि राज्यों की दुकानें लगती है। रात्रि में इशा की नमाज के बाद उलमाए किराम के द्वारा नुरानी तकरीर का प्रोग्राम होता है, बाद में देर रात तक राजस्थान व गुजरात के मशहुर कव्वालों द्वारा सुफीयाना कलाम पेश किये जाते है। हजरत मख्दुम पीर डाडा अब्बनशाह रे.अ. का जन्म सिन्ध प्रांत के हाला शहर में हुआ था। अखण्ड भारत के समय में आप ने प्रतापपुरा के घने जंगल में रात्रि में विश्राम किया। सुबह में उठकर जाल की लकड़ी का दातुन किया और जमीन में गाढ़ दिया। तब साथ में मुरीदों को कहा कि यह मिस्वाक (दातुन) से तीन दिन में हरी पत्तिया निकलेगी। यह कह कर पड़ोस के गाँव वारा में चले गये। जहा पर आप रूके और तीन दिन के बाद आप ने मुरीदों को देखने के लिए यहाँ वापस भेजे तो दातुन की हुई लकड़ी से हरी पत्तिया निकल आई थी। आप ने साथ मुरीदों को वसीयत की के कही भी मेरा इंतकाल हो जाये। मुझे इसी जाल के नीचे मेरी मजारे पाक बनाना कुछ वर्षों के पश्चात आप की वफात वारागॉव (गुजरात) में हुई। आप को वही पर गुस्ल दिया गया। तथा इसी जाल के नीचे आप की मजारें पाक बनी है। उसी दिन से इस स्थान का नाम पीर की जाल पड़ा। एक के बाद एक इनके खानदान से आते रहे। इसी तरह इस जाल के नीचे चार मजारें बनी हुई है। कौमी एकता की प्रतीक पीर की जाल पर हर मजहब के लोग आते है। भूतप्रित और बिमारीयों से लिप्त लोगों का सच्ची आस्ता के साथ जाल वाले बाबा के आस्ताने की खाक के सेवन करने पर लाइलाज बिमारीयों का इलाज हो जाता है। दिल से आस्ता रखने वालों आम लोगों को बे हिसाब फायदे हो रहे है। इस दरगाह पर कोई किसी तरह की जात-पात नहीं सभी धर्म के लोगों के आस्था का केन्द्र जिले में दरगाह पीर की जाल मशहूर है।

तरावीह के साथ 20 दिन में कुरान पाक सुनाने वाले हाफिज हजरात का किया इस्तकबाल

पाली, (रॉयल पत्रिका)।जिले की एक निजी फैक्ट्री में प्रवासी मजदूर कार्य कर रहे हैं। उतर प्रदेश के जिला रामपुर के रशीद भाई ठेकेदार ने जानकारी दी कि माह ए रमजानुल मुबारक मौके पर पिछले 7 सालों से फैक्ट्री में क़ुरआन पाक से मुकम्मल तरावीह 20 दिन में पूरी की। साथ ही रमज़ान में 5 वक्त की नमाज़ इसी फैक्ट्री में होती है। प्रवासी ठेकेदार रशीद भाई ने बताया कि क़ुरआन पाक मुकम्मल करने वाले हाफ़िज़ मो तोसिफ रज़ा, हाफ़िज़ मो शहीद रज़ा ने बताया कि रमज़ान का महीना इबादतों, संयम और नेक अम्लों का महीना होता है और ऐसी कठिन परिस्थितियों में प्रवासी मजदूरों का अपने मज़हबी कर्तव्यों को निभाना उनकी गहरी आस्था होती है। अल्लाह ताला सभी देश,प्रदेश वासियों को माहे रमज़ान मुबारक की इबादतों को कबूल करे और सभी को दुनिया और आख़िरत में इसका बेहतरीन अर्ज अता करे। इस मौके पर निजी फैक्ट्रियों के प्रवासी मजदूर और मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति के अध्यक्ष मेहराज अली पूरी टीम के साथ मौजूद रहे। इस मौके पर हाफिज हजरात का इस्तकबाल किया गया।

कांग्रेस के ऑब्जर्वर भीमराज जाखड़ का चूरू पहुंचने पर पीसीसी सचिव मुस्ताक खान ने किया स्वागत

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कांग्रेस विधानसभा ऑब्जर्वर भीमराज जाखड़ के चूरू विधानसभा में पहुंचने पर पीसीसी सचिव मुस्ताक खान ने अपने निवास पर सभी वरिष्ठ कांग्रेसजनों के साथ साफा शाल पहनाकर स्वागत किया। भीमराज जाखड़ ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए सुधार करने पर बल दिया। पीसीसी सचिव मुस्ताक खान ने कांग्रेस के लिए काम करने वालों को संगठन में जगह देने की पैरवी करने का आग्रह किया। इस अवसर पर पार्षद अंजनी शर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रामनिवास सहारण, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अबरार खान, वक्फ बोर्ड अध्यक्ष आज़म खान, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर दादू,यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव महेश ढूकिया,पूर्व आईटी सेल जिलाध्यक्ष रफीक चौहान, पूर्व पार्षद आबिद मोयल, लोहिया कॉलेज पूर्व महासचिव पुलकित चौधरी, युवा नेता गुलजार खान छात्र नेता फरमान खान, छात्र नेता आदिल गौरी, अजीज अली, अंजार खान, युवा नेता अज्जू लुहार, सलीम लुहार, अमजद अखान, यूसुफ खान, वसीम खान, आसिफ मुन्यान, अदनान आदि मौजूद रहे।

दादा साहब के मजार पर हिन्दू-मुस्लिम एक साथ चादर पेश कर दुआएं मांगते है

- दादा साहब हजरत उमर शाह आबाद र.अ. झूंपी शरीफ का 24वां उर्स मुबारक कुल की रस्म के साथ सम्पन्न

- कौमी एकता की मिशाल : दादा साहब के मजार पर हिन्दू-मुस्लिम एक साथ चादर पेश कर दुआएं मांगते है

जोधपुर/पाली, (रॉयल पत्रिका)। हिन्द-मुस्लिम कौमी एकता की मिशाल दादा साहब हजरत उमर शाह आबाद र.अ. झूंपी शरीफ सुमेर झूपी, तहसील देसूरी, जिला पाली वालों का 24वां उर्स मुबारक 21 मार्च को बड़ी शानों शौकत व एतराम के साथ मनाया गया व देररात्रि 22 मार्च अल सुबह कुल की रस्म अदा की गई। उसके बाद गद्दी नसीन अय्युब साहब द्वारा उर्स समापन की घोषणा की गई। दरगाह कमेटी के गद्दी नसीन अय्युब साहब ने जानकारी देते हुए बताया कि हर साल की तरह इस साल भी हिन्द-मुस्लिम कौमी एकता की मिशाल दादा साहब हजरत उमर शाह आबाद र.अ. सुमेर झूंपी वालों का 24वां उर्स मुबारक बड़ी शानो शौकत व एहतराम के साथ मनाया गया। इस दौरान जोधपुर, पाली, जालोर, सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, अजमेर, अहमबाद, मुम्बई, ब्यावर, सोजत, मारवाड़ जंक्शन, आबूरोड सहित कई जगहों जायरिन शिरकत कर चादर पेशकर देश में अमन व चैन भाईचारे की दुआएं मांगी। उर्स के दौरान जायरिनों के लिए दोनों समय शुद्ध शाकाहारी लंगर व रोजा इफ्तार व सेहरी का माकूल व्यवस्था की गई है। मीडिया प्रभारी जस्साराम चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि हजरत उमर शाह आबाद र.अ. सुमेर झुंपी उर्स के दौरान 21 मार्च शुक्रवार को सुबह 11.30 बड़ी चादर शरीफ पेश की गई। उसके बाद महाप्रसादी (लंगर खाना) आयोजन होगा। वहीं रात 11 बजे महफिले कव्वाली का आयोजन जिसमें यूपी के मशहूर कव्वाल मोईन निजामी एण्ड पार्टी व पगड़ीबंद कव्वाल तौफिक रोशन (जमाल रोशन) एण्ड पार्टी मनमोहक कव्वालिया व कलाम पेशकर समा बांध दिया। कव्वाल मोईन निजामी एण्ड पार्टी ने 1. कमली वाले से मिला देती... दादा साहब ... तुम क्या मालूम क्या होती चाहत पीर की... दादा साहब 2. बिन मोहम्मद के जीने गव्वार नहीं.. तौफिक रोशन कव्वाल ने 1. तु सखी या दादा... तू वली ये दादा है...या दादा ... तू ही तो दीवानों की जिंदगी है या दादा साहब 2. गरीबों का मदीना अजमेर...हम सबका अजमेर दादा साहब है...हाल दिल दादा को सुना सहित कई मनमोहक कव्वालिया पेशकर समा बांध दिया। उर्स के दौरान बेहतरीन समाजसेवा करने वाले लंगर का इंतजाम भामाशाह लालाराम, पुनाराम पुत्र नेनाराम चौधरी निवासी वारा सोलंकियान व महाप्रसादी गफूर खा बगे खा पुत्र ऊके खान पांथेड़ी, आईदानमल सैन पाली, डॉ. राजेश राठौड़ देसूरी, फ्री बस सेवा इमरान भाई हिंगोल जोधपुर, नागौर आकाशवाणी के एंकर मोहम्मद शरीफ छीपा, पत्रकार गुलाम मोहम्मद, नदीम आफरीदी, राजू भाई लाईट डेकोरेशन, बाबूसिंह राजपूरोहित, इमाम साहब दाउद हुसैन का साफा व माला पहनाकर इस्तकबाल किया गया। देर रात्रि 22 को सुबह कुल रस्म अदा की गई। कव्वाल तौफिक रोशन एण्ड पार्टी द्वारा रंग पेश किया गया। उसके बाद गद्दी नसीन अय्युब साहब द्वारा उर्स समापन की घोषणा की गई। इस दौरान उर्स कमेटी के जीवाराम परिहार, हरीसिंह व्यास, जसाराम चौधरी, गोपालकृष्ण श्रीमाली, रमण जैन, जहीर अहमद, मनोज कुमार, मगनसिंह व्यास, भंवरसिंह मादा, कासम खान, अब्दुल खान सहित सभी कार्यकर्ता सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए टेंट लगाने के मामले को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की मौत

-स्थानीय प्रशासन ने अस्पताल परिसर में बढ़ाई पुलिस सुरक्षा

लाडनूं, (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय तेली रोड गली नंबर 16 के टेंट व्यवसायी युसुफ बडगूजर की एक धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए टेंट लगाने के मामले को लेकर हुए आपसी विवाद के चलते गंभीर मारपीट की गई जिसे तुरंत स्थानीय धोड़ावत हास्पिटल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया, मरीज की हालत गंभीर होने से उसे सीकर के बड़े हास्पिटल में रेफर कर दिया गया जिसकी इलाज के दौरान बीच रास्ते में मौत हो गई, मृतक व्यक्ति को स्थानीय राजकीय चिकित्सालय में लाया गया एंव 24 घंटे मोर्चरी में रखा गया। जानकारी अनुसार मृतक व्यक्ति युसुफ बड़गुजर की मौत होने के कुछ समय बाद रात्रि को पुलिस थाना में मारपीट व हत्या करने के संबंध में पीड़ित परिवार की और से एक लिखित रिपोर्ट दी गई जो सुबह तक दर्ज नहीं की गई। इस मामले को लेकर मौके पर ही अस्पताल परिसर में सैकड़ो की तादाद में सर्वसमाज के लोगों ने एकजुट होकर इस घटना के विरोध में धरना प्रदर्शन और विरोध प्रदर्शन जैसा कार्यक्रम राजकीय चिकित्सालय लाडनूं में शुरू कर दिया तथा मृतक व्यक्ति युसूफ बडगूजर के साथ मारपीट करने वाले नामजद आरोपियों के खिलाफ संगीन धाराओं में हत्या का मामला दर्ज कर उनको तुरंत प्रभाव से हत्या के मामले में गिरफ्तार कर सजा दिलवाने व मृतक के परिवार को न्याय और इंसाफ दिलाने के अलावा थाना अधिकारी को रात्रि के समय दी गई लिखित रिपोर्ट को सुबह 8:30 बजे तक दर्ज नहीं करने और मृतक व्यक्ति के साथ मारपीट करने वाले लोगों को बचाने का आरोप लगाते हुए पुलिस के खिलाफ पीड़ित परिवार के लोगों ने बहुत भारी विरोध और आक्रोश जताते हुए थाना अधिकारी को लाइन हाजिर कराने की मांग पर अड़े रहे तथा मृतक व्यक्ति के हत्यारे को जब तक गिरफ्तार नहीं कर लिया जाता तब तक मृतक का पोस्टमार्टम नहीं करने पर भी अड़े रहे तथा मृतक परिवार की 6 मांगो को लेकर प्रशासन द्वारा लिखित में समझौता करने पर ही मृतक का पोस्टमार्टम कराने व धरना समाप्त करने की बात पर अड़े रहे। मृतक युसूफ बडगूजर के पीड़ित परिवार के साथ सर्वसमाज के लोग कंधे से कंधा मिलाकर अपना सहयोग और समर्थन देते हुए रात्रि से लेकर दूसरे दिन रात्रि के समय तक धरने पर बैठे नजर आए।वार्ता का दौर सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक लगातार जारी रहा जिसमें मृतक व्यक्ति के पीड़ित परिवार की ओर से 6 मांगों पर लिखित में प्रशासन के आला अधिकारियों को ज्ञापन दिया गया एवं लिखित में समझौता करने पर ही धरना समाप्त करने व मृतक का पोस्टमार्टम कराने और मृतक का शव लेने पर अड़े रहे।इस वार्ता में तहसीलदार अनुरूद्ध देव पांडे, पुलिस उप अधीक्षक वृत लाडनूं, डीडवाना थाना अधिकारी राजेंद्र कमांडो के अलावा मृतक के पुत्र मो. समीर बड़गुजर, हेदर अली, एडवोकेट हरीश मेहरडा, विधायक प्रतिनिधि सुरजाराम भाकर, सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी, हारून बड़गुजर , असलम बड़गुजर, जाकिर बड़गुजर, मौलाना सैयद मोहम्मद अली अशरफी, मौलाना सैयद मोहम्मद मदनी अशरफी, मौलाना मोहम्मद शकील, अयुब खां मोयल, रोशन खा, आरीफ, अनवर, सलीम, बाबू, साबीर हुसैन, साजिद के अलावा राजस्थान टेंट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, नागौर जिला अध्यक्ष, लाडनूं ब्लॉक अध्यक्ष सहित लाडनू के टेंट व्यवसायिक कार्य से जुड़े लोग भारी संख्या पर मौके पर उपस्थित रहे और टेंट एसोसिएशन ने अपना कारोबार इस घटना के विरोध में बंद रखा तथा स्थानीय पुलिस प्रशासन के प्रति अपना रोष और आक्रोश जताते हुए विरोध प्रकट किया।

प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब की दरगाह पर चित्तौड़गढ़ पुलिस अधीक्षक ने अर्पित किए फूल, अमन और शांति की दुआ की

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर विशेष आयोजन हुआ, जिसमें चित्तौड़गढ़ जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने दरगाह के बुलंद दरवाजे पर फूल अर्पित कर मुल्क में अमन और सुकून की दुआ की। इस अवसर पर सैकड़ों जायरीनों ने दरगाह पर आकर रोज़ा इफ्तारी में शिरकत की और अपने प्रार्थनाओं में देश के सुख-शांति की कामना की। दरगाह वक्फ कमेटी के सचिव मोहम्मद यासीन खान अशरफी के अनुसार, गुरूवार को पुलिस अधीक्षक का स्वागत कमेटी के सदस्यों अब्दुल वहीद अंसारी, हाजी शरीफ मेवाती, अशफाक तुर्किया, और याकूब खान जाश्मा ने किया। पुलिस अधीक्षक ने मुख्य मजार पर चादर और फूल अर्पित कर मुल्क में अमन-चैन की दुआ की।इस दौरान सैयद अख्तर अली बुखारी ने दस्तारबंदी कर श्रीफल भेंट किया। इस अवसर पर डी.वाई.एस.पी. हरजी लाल यादव, सी.आई. रतन सिंह और अन्य पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे। पुलिस अधीक्षक ने कमेटी से सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गुरूवार शाम को अहमद कबीर मंजिल में आशिके दीवाना उदयपुर के परवेज़ रशीद कुरेशी की ओर से रोज़ा इफ्तारी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री इकराम रशीद कुरेशी, फारूक कुरेशी, भीलवाड़ा के नजमुल कुरेशी, कमरगनी कुरेशी, नगरपालिका उपाध्यक्ष सैयद ऐजाज अली, आर.एन.टी. कॉलेज के निदेशक डॉ. वसीम खान, और अन्जुमन सैक्रेट्री सैयद असलम अली उर्फ बंटी सहित सैकड़ों जायरीनों ने शिरकत की और इस पवित्र मौके का हिस्सा बने।

युवा टीम के अलावा हुसैनखानी परिवार ने अलग-अलग स्थानों पर दी रोजेदारों को इफ्तार पार्टी

लाडनू, (रॉयल पत्रिका)। रमजान मुबारक माह में रोजेदारों की खिदमत करने का सिलसिला क्षेत्र में निरंतर जारी है। इसी रमजान मुबारक माह को मद्देनजर रखते हुए शहर के शहरिया बास वार्ड नंबर 1 के न्युम खां सामदखानी ने बताया की वार्ड नं 1 की युवा टीम के जनसहयोग से शहरिया बास में संयुक्त रूप से क्षेत्र के सभी रोजेदार भाईयो और महिलाओं को रोजा इफ्तार पार्टी की दावत देकर क्षेत्र में एक सराहनीय मिसाल कायम की है। इस रोजा इफ्तार पार्टी में जनसहयोग करने वाले युवा टीम का क्षेत्र के गणमान्य नागरिको ने होंसला अफजाई करते हुए हृदय से आभार प्रकट किया है तथा इस तरह के सहरानिय कार्य में समाज के युवाओं को एकजुट होकर बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की भी अपील की है। रोजा इफ्तार पार्टी के दौरान उपस्थित सभी रोजेदार भाइयों ने युवा टीम की खुशहाली कामयाबी और तरकीब के लिए अल्लाह से दुआएं की है। वही क्षेत्र के वार्ड नंबर 1 के हुसैनखानी परिवार की ओर से चांददड़ा स्थित मस्जिद में सार्वजनिक रूप से रोजेदार भाइयों के लिए रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन करके बहुत ही अच्छी पहल की शुरुआत की है जो अपने आप में काबिले तारीफ के लायक कार्य है। रमजान माह में रोजेदार भाइयों की खिदमत करना, उनको रात्रि के समय शहरी करवाना और रोजा खुलवाना सबाब का कार्य काम है, और जितना स्वभाव एक रोजेदार को रोजा रखने से मिलता है उतना ही सब आप एक रोजेदार को रोजा खुलवाने वाले को मिलता है और इस तरह की पहल मै हमारे हिंदू समाज के भाई भी है जो हिंदू मुस्लिम कौमी एकता के प्रतीक माने जाते है और वह हमेशा आपसी भाईचारे का संदेश देते रहते हैं तथा रमजान पाक माह में रोजेदारों के लिए रोजगार पार्टी की दावत देकर रोजेदारों की खिदमत करने में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते नजर आते रहते हैं जो अपने आप में काबिले तारीफ के लायक है। ऐसे लोगों की जितनी भी प्रशंसा की जाए उतनी ही काम है।

रोजा इफ्तार पार्टी में लाडनूं विधानसभा क्षेत्र के विधायक मुकेश भाकर, विधायक के निजी पीए दिनेश गोदारा, धारा सिंह, पीसीसी मेम्बर कैलास निठरवाल, नगर पालिका उपाध्यक्ष मुकेश खिंची, पंचायत समिति प्रधान हनुमानाराम कासनियां, सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी, पार्षद प्रतिनिधि शहाबुद्दीन खान, पार्षद मो. मुनसब खान, रमजान भुट्टा, समंदर खां सामदखनी, हुसैन खां हुसैनखानी, मोहिद्दीन खां पाडियाण, अलीम खां हुसैनखानी, निशार खान, बसीर खां हुसैनखानी, नानू खा हुसैनखानी, अयुब खां सामदखानी, सतार खां, नबाब खां, महबुब खां, बलू खां, मौलाना मोहम्मद शाहिद मिसवाही, मौलाना मोहम्मद शकील, मौलाना मोहम्मद इकबाल, मौलाना सैयद मोहम्मद मदनी, हुसैन खां फतेहखानी, फतूखा मलकाण, हाकम अली खां आदि प्रमुख गणमान्य नागरिकों के अलावा रोजेदार भाइयों को रोजा इफ्तार पार्टी की दावत में व्यवस्था के अलावा जनसहयोग करने वाले मैं मुख्य रूप से वार्ड नंबर 1 के सभी युवा टीम के कार्यकर्ताओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने शहरिया बास की युवा टीम के अलावा हुसैनखानी की हौसला अफजाई करते हुए हृदय से आभार प्रकट किया है तथा भविष्य में भी आगे इस तरह के पुण्य के कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील भी की है।

चूरू: रमजान के तीसरे जुमे पर मस्जिदों में दुआओं का सिलसिला, अमन और शांति की दुआ

-इंसान मुसाफिर है, मंजिल मौत है: सैयद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। शहर के सभी मस्जिदों में माह ए रमजान के तीसरे जुमे की नमाज अमन, शांति, भाईचारे और सोहार्द की दुआओं के साथ अदा की गई। इस अवसर पर शहर की पहली जामा-ए-मस्जिद में आयोजित तकरीर में इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी ने रमजान के महत्व पर प्रकाश डाला और विशेष रूप से तहज्जुद की नमाज के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जब आप सेहरी करने उठते है। तो थोड़ा वक्त निकाल कर तहज्जूद की नमाज़ अदा करे उसके बाद ही सेहरी करे सहरी का वक्त ही तहज्जुद का वक्त होता है ये हमारे लिए बहुत अच्छा मौका है। पूरे साल नही तो कम से कम एक महीना तहज्जुद पढ़ सकते है। जब सहरी करने उठे तो दो चार या जितनी मर्जी हो उतनी रकाअत पढ़ ले। और अपने रब से दुआएं करे। उस वक्त अल्लाह पाक अपनी रहमत की खास तजल्लिया फरमाता है। दुनियां में हर इंसान मुसाफिर है और मंजिल मौत है।हर इंसान का टिकट वेटिंग में है, कब किसका टिकट कन्फर्म हो जाएं भरोसा नहीं इसलिए अपने आखिरी सफ़र मौत की तैयारी पहले से करके ज़रूर रखे अल्लाह पाक हम सब को ईमान पे खात्मा वाली मौत नसीब फरमाए और हम सब को अपनी आखिरत की फिक्र करने ओर उसको बेहतर करने की तोफिक अता फरमाए, और कहने सुनने से ज्यादा अमल करने की तोफिक अता फरमाए, अपनी जिंदगी में देने वाला मिजाज बनाएं।अब तो दोस्तियां, यारियां, ताल्लुकात, नाते इस बुनियाद पर है कि नफा कैसे हासिल किया जा सके, सामने वाले को इस्तेमाल कैसे करना है? ये छोटे लोगों की अलामत है, बुजदिलों की अलामत है। कमजोर लोगों की अलामत है। दिलेर लोग जो होते हैं वो नफा नही लेते। लोगों में बेहतर लोग वो हैं जो दूसरों को नफ़ा दें...अल्लाह पाक हम सब को हिदायत दे ओर हम सब को एक ओर नेक बनाए ओर हम सब को खूब खूब इबादत गुजार बनाए ओर इस रमजानुल मुबारक महीने की बा बरकतें ले अल्लाह पाक कहने सुनने से ज्यादा अमल करने की तोफिक अता फरमाए आमीन ।

केन्द्र सरकार ने सांसदों को दिया बड़ा तोहफा, अब इतनी बढ़ गई सैलरी, पेंशन और डीए में भी हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सांसदों की सैलरी, दैनिक भत्ते और पेंशन में बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी की है। संसदीय कार्य मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, 1 अप्रैल 2023 से यह संशोधित वेतनमान लागू होगा। केंद्र सरकार ने महंगाई को ध्यान में रखते हुए सदस्य वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम, 1954 के तहत वेतन और पेंशन में संशोधन किया है। सोमवार को जारी एक राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, केंद्र ने 1 अप्रैल, 2023 से सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन में बढ़ोतरी की है। लोकसभा और राज्यसभा सांसदों का वेतन वर्तमान एक लाख रुपये से बढ़ाकर 1.24 लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया है, जबकि दैनिक भत्ता 2000 रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये कर दिया गया है।

पूर्व सांसदों की पेंशन में भी हुई बढ़ोतरी

संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, पूर्व सांसदों को दी जाने वाली पेंशन वर्तमान 25000 रुपये से बढ़ाकर 31000 रुपये प्रति माह कर दी गई है। इसमें कहा गया है कि पांच वर्ष से अधिक की सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन 2000 रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये कर दी गई है। संसद के चालू बजट सत्र के दौरान सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन में संशोधन की घोषणा की गई है। वर्तमान और पूर्व सांसदों को दिए जाने वाले तीन तत्वों मंन पिछली बार अप्रैल 2018 में संशोधन किया गया था। वेतन और पेंशन में वृद्धि से राजकोष पर असर पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि वर्तमान में लोकसभा के 543 सांसद और राज्यसभा के 245 सांसद हैं, इसके अलावा सैकड़ों पूर्व सांसद भी हैं।

वेतन और भत्तों के अलावा सांसदों को मिलती है कई अन्य सुविधाएं

उल्लेखनीय है कि मौजूदा सांसदों को उनके वेतन और भत्तों के अलावा कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं। इसमें 70000 रुपये प्रति माह का निर्वाचन क्षेत्र भत्ता शामिल है, जिसका इस्तेमाल उनके चुनावी क्षेत्रों में किया जाना है। उन्हें कार्यालय खर्च के लिए हर महीने 60000 रुपये भी मिलते हैं, जिसमें कर्मचारियों के वेतन, दूरसंचार और स्टेशनरी का खर्च शामिल है। इसके अलावा, वे प्रति वर्ष 50000 यूनिट मुफ्त बिजली और 4000 किलोलीटर मुफ्त पानी के भी पात्र हैं। सांसदों के साथ-साथ उनके निकटतम परिवार के सदस्यों को भी मुफ्त चिकित्सा देखभाल के लिए केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के तहत कवर किया जाता है। सांसदों को अपने और अपने परिवार के लिए प्रति वर्ष 34 निःशुल्क घरेलू हवाई यात्राएं करने की अनुमति है, साथ ही प्रमुख स्थानों पर किराए-मुक्त आवास की भी अनुमति है। जो लोग आधिकारिक आवास नहीं लेना चाहते हैं, वे 2 लाख रुपये के मासिक आवास भत्ते का दावा कर सकते हैं

अलवर में 3 साल पहले भ्रष्टाचार से जुड़ा मामला

- पूर्व कलक्टर नन्नूमल पहाडिया के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई रद्द

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सड़क निर्माण कंपनी से मासिक बंधी मांगने व लेने से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस गणेशराम मीणा की बेंच ने अलवर के पूर्व कलक्टर नन्नूमल पहाडिया के खिलाफ एसीबी कोर्ट में चल रही कार्रवाई को रद्द करने के आदेश दिए है। इस संबंध में पहाडिया की ओर से दायर आपराधिक याचिका में कहा कि तथ्यों और साक्ष्य से उस पर रिश्वत मांगने या लेने का आरोप साबित नहीं होता है। शिकायतकर्ता का कोई काम भी उसके पास लंबित नहीं था। ट्रेप कार्रवाई में रुपए सह आरोपी भू-प्रबंध अधिकारी अशोक सांखला के चालक नितिन शर्मा से बरामद हुए हैं। इसकी 22 अप्रैल, 2022 को शिकायत देने से पूर्व ही उसका अलवर कलक्टर पद से 13 अप्रैल को तबादला होकर 18 अप्रैल को कार्यमुक्त हो चुका था। कहानी पर विश्वास भी कर लिया जाए तो भी मामला केवल धोखाधड़ी का बनता है।

यह था मामला :

केसीसी बिल्डकॉन कंपनी के प्रतिनिधि ने 22 अप्रैल, 2022 को एसीबी में रिपोर्ट दी थी कि उसकी कंपनी दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस वे ग्रीन फील्ड मार्ग का निर्माण कर रही है। जिसका काम सुचारू चलाने की एवज में अलवर कलक्टर नन्नूमल पहाडिया मासिक 4 लाख और भू-प्रबंध अधिकारी अशोक सांखला मासिक 50 हजार रुपए रिश्वत मांग रहे हैं। एसीबी ने सांखला के चालक नितिन शर्मा को रंगे हाथों ट्रेप किया था। उसके बाद उसे भी गिरफ्तार कर चालान पेश किया गया। जबकि वह कलक्टर पद पर ही नहीं था। प्रार्थी का कोई काम भी लंबित नहीं था। बातचीत में भी रिश्वत मांगने का कोई साक्ष्य नहीं था। सरकार की ओर से कहा गया कि सह आरोपी सांखला ने पहाडिया के लिए ही रिश्वत ली थी और जांच में आरोप प्रमाणित मानकर चालान पेश हो चुका है। ऐसे में याचिका खारिज की जाए।

लखनऊ में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग द्वारा रोजा इफ्तार का हुआ आयोजन

लखनऊ, (रॉयल पत्रिका)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग द्वारा लखनऊ में गंगा-जमुनी तहज़ीब को समर्पित भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के निर्देशानुसार संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई, जिसके बाद प्रथम जैन तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वही शाम को रोज़ा इफ्तार का भी आयोजन हुआ, जहां सभी समुदायों के लोगों ने मिलकर रोज़ा खोला और देश में अमन, शांति और भाईचारे की दुआ मांगी।

रूबी खान ने निभाई अहम भूमिका

इस आयोजन की अगुवाई AICC अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी रूबी खान ने की। रूबी खान, जो कांग्रेस की मज़बूत महिला नेता के रूप में पहचानी जाती हैं, ने अपने संबोधन में गंगा-जमुनी तहज़ीब की अहमियत पर जोर दिया और कांग्रेस की सर्वधर्म समभाव की नीति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर रूबी खान ने कहा कि केवल कांग्रेस ही भारत की गंगा-जमुनी तहज़ीब को संरक्षित कर सकती है। नफरत के बाजार में कांग्रेस हमेशा मोहब्बत की दुकान खोलती रही है। भारत की खूबसूरती इसकी विविधता और एकता में है, और यह उत्सव हमारी साझी विरासत को संजोने का अवसर देता है। इस कार्यक्रम में हर धर्म और समुदाय के लोगों की भागीदारी रही। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सांसद इमरान मसूद, संगठन महामंत्री दिनेश सिंह, शिबली मंज़ूर, महमूद खान, संगठन प्रभारी अनवर अनीस एवं सुदीप जैन सहित प्रदेशभर की अल्पसंख्यक टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वक्फ संशोधन विधेयक 2024; अल्पसंख्यक अधिकारों पर खतरा: डॉ. मोहम्मद शोएब

वक्फ संशोधन विधेयक 2024, जो हाल ही में संसद में पेश किया गया है, अल्पसंख्यक समुदाय, विशेष रूप से मुस्लिम समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस विधेयक के प्रावधान न केवल वक्फ संपत्तियों की स्वायत्तता को कमजोर करते हैं, बल्कि यह अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। विधेयक में प्रस्तावित बदलाव, जैसे वक्फ संपत्तियों के विवादों को वक्फ ट्रिब्यूनल से हटाकर जिला कलेक्टरों के अधीन लाना, वक्फ बोर्डों की स्वायत्तता को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह प्रावधान न केवल वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा को खतरे में डालता है, बल्कि सरकारी हस्तक्षेप को भी बढ़ावा देता है। वक्फ संपत्तियां, जो मुस्लिम समाज की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर का हिस्सा हैं, उनके प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी को समाप्त करना एक गंभीर मुद्दा है। इसके अलावा, "वक्फ बाय यूज" (उपयोग के आधार पर वक्फ संपत्ति की मान्यता) को समाप्त करने का प्रस्ताव ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के अस्तित्व को खतरे में डाल सकता है। यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के संरक्षण के बजाय उन्हें कमजोर करने का प्रयास करता प्रतीत होता है। मैं, डॉ. मोहम्मद शोएब, इस विधेयक का कड़ा विरोध करता हूं। मेरा मानना है कि वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन पारदर्शी और जवाबदेह होना चाहिए, लेकिन इसके लिए समुदाय की स्वायत्तता और भागीदारी को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। यह विधेयक न केवल मुस्लिम समाज के अधिकारों पर हमला है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ भी है। मैं सभी संबंधित पक्षों से अपील करता हूं कि वे इस विधेयक के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाएं। यह केवल एक समुदाय का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की विविधता और समानता की रक्षा का सवाल है। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और स्वायत्तता बनी रहे और अल्पसंख्यकों के अधिकार संरक्षित रहें।

डॉ. मोहम्मद शोएब (प्रदेश सचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, राजस्थान)

भाषा के जादूगर महमूद अकरम: 46 भाषाओं में माहिर, 400 भाषाओं में निपुण

चेन्नई: 19 वर्षीय महमूद अकरम ने अपनी अद्वितीय भाषाई प्रतिभा से पूरी दुनिया को चौंका दिया है। महमूद अकरम, जो 46 भाषाओं में धाराप्रवाह बोल सकते हैं, 400 भाषाओं को पढ़, लिख और टाइप भी कर सकते हैं। उनकी यह असाधारण क्षमता उन्हें दुनिया के सबसे बहुभाषी व्यक्तियों में से एक बनाती है। अकरम की यात्रा बचपन में ही शुरू हो गई थी, जब उन्होंने महज छह दिनों में अंग्रेजी वर्णमाला और तीन हफ्तों में तमिल लिपि को सीख लिया था। अकरम की यह विलक्षण प्रतिभा उनके पिता शिल्बी मोजिप्रियम के योगदान से उत्पन्न हुई, जो खुद 16 भाषाओं में निपुण हैं। शिल्बी ने कहा, "जब मेरी पत्नी गर्भवती थी, तब हमने अपनी बातचीत में भाषाओं के बारे में बात की थी, जिससे अकरम की रुचि बढ़ी।" अकरम की भाषा में रुचि ने उन्हें चौंका देने वाले रिकॉर्ड तोड़ने में मदद की।

किशोरावस्था में रिकॉर्ड्स की झड़ी:

अकरम की बहुभाषी यात्रा की शुरुआत जब वे केवल चार साल के थे, तो उनके माता-पिता ने उन्हें तमिल और अंग्रेजी वर्णमाला सिखानी शुरू की थी। अकरम ने महज 6 दिनों में अंग्रेजी वर्णमाला में महारत हासिल की।

इसके बाद, उन्होंने 50 भाषाओं में दक्षता प्राप्त की, और आठ साल की उम्र में सबसे कम उम्र के बहुभाषी टाइपिस्ट का विश्व रिकॉर्ड बनाया। दस साल की उम्र में, उन्होंने एक घंटे में 20 भाषाओं में भारतीय राष्ट्रगान लिखकर दूसरा विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया। 12 साल की उम्र तक, अकरम 400 भाषाओं में निपुण हो गए थे। उन्होंने जर्मनी में 70 भाषाई विशेषज्ञों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए तीसरा विश्व रिकॉर्ड हासिल किया, और सर्वाधिक भाषाओं में अनुवाद करने के लिए जर्मन युवा प्रतिभा पुरस्कार जीता।

शैक्षिक और सामाजिक योगदान:

अकरम की भाषा के प्रति रुचि ने उनकी पारंपरिक शिक्षा को चुनौती दी, और उन्होंने भारत में एक ऐसा स्कूल ढूंढने की कोशिश की जो केवल भाषाओं पर केंद्रित हो। उन्होंने इज़राइल के एक स्कूल में ऑनलाइन अध्ययन किया और वहां अरबी, स्पेनिश, फ्रेंच, और हिब्रू सीखी। इसके अलावा, उन्होंने ब्रिटेन की मिल्टन कीन्स ओपन यूनिवर्सिटी से भाषा विज्ञान में बीए किया और चेन्नई के अलगप्पा विश्वविद्यालय से एनीमेशन में विज्ञान स्नातक की डिग्री प्राप्त की। अकरम का मानना है कि शिक्षा और भाषाओं के साथ उनका सफर सिर्फ जानकारी प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद को बढ़ावा देना है। वह कहते हैं, "जब तक मैं 14 साल का नहीं था, मैं ज्यादातर भाषाओं में केवल 'हैलो' या 'गुड मॉर्निंग' जैसे शब्द ही बोल सकता था।

लेकिन आज मैं 15 भाषाओं में धाराप्रवाह बोल सकता हूं।"अकरम का मानना है कि एक भाषा सीखने का मतलब केवल शब्दों को जानना नहीं है, बल्कि उस भाषा के माध्यम से लोगों से गहरे रिश्ते बनाना है। उनका सपना है कि तिरुक्कुरल और थलाकाप्पियम जैसे तमिल साहित्यिक खजानों का अनुवाद अन्य भाषाओं में किया जाए, ताकि विश्वभर के लोग तमिलों की समृद्ध विरासत को समझ सकें। अकरम का कहना है, "अगर मैं तुमसे तुम्हारी मातृभाषा में बात करता हूं, तो तुम हृदय से उत्तर दोगे, लेकिन अगर मैं अंग्रेजी बोलूंगा तो आप अपने दिमाग से बोलेंगे।" आज महमूद अकरम एक प्रेरणा हैं, जो भाषाओं की विविधता को बढ़ावा देने और दुनिया को एक साथ लाने के लिए काम कर रहे हैं। उनका सपना है कि वे एक दिन एक प्रसिद्ध विश्वविद्यालय में भाषा के प्रोफेसर बनें और दूसरों के लिए एक आदर्श स्थापित करें।

कॉमेडियन कुणाल कामरा के जोक पर मचा बवाल, FIR दर्ज

मुंबई, (एजेंसी)। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा एक बार फिर से विवाद में फंस गए हैं। कामरा पर मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना पार्टी के प्रमुख एकनाथ शिंदे के लिए कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगा है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने सोमवार को कुणाल कामरा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने कहा है कि मुंबई के एमआईडीसी थाने के एक अधिकारी ने बताया है कि सोमवार तड़के कामरा के खिलाफ 353(1) (बी) और 356(2) समेत बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। दरअसल, कुणाल कामरा ने मुंबई के खार इलाके में स्थित हैबिटेट स्टूडियो में फिल्म 'दिल तो पागल है' के एक गाने के संशोधित संस्करण का इस्तेमाल करके एकनाथ शिंदे पर कटाक्ष किया था। कुणाल कामरा ने एकनाथ शिंदे पर गद्दार शब्द के जरिये कटाक्ष किया था। एकनाथ शिंदे के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक शब्द के इस्तेमाल वाले कामरा का वीडियो वायरल होने के बाद काफी विवाद हुआ। शिवसेना विधायक मुरजी पटेल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। एक अधिकारी के मुताबिक, करीब 2 मिनट के इस वीडियो में कामरा ने एनसीपी और शिवसेना का मजाक उड़ाया है। वहीं विपक्ष में उद्धव ठाकरे ने कुणाल कामरा की टिप्पणी को ठीक बताया है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने व्यंग से हकीकत को बयां किया है। कांग्रेस ने कुणाल कामरा के स्टूडियो को तोड़ने की निंदा की है। कांग्रेस ने कहा है कि अगर भावनाएं आहत हुई हैं तो पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराएं। स्टूडियो तोड़ना गलत है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए श्रीराम ऑफसेट, 6-शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड़, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com